भारतीय सर्वेक्षण विभाग

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

(विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग)

SURVEY OF INDIA

(Dept. of Science & Technology)

वार्षिक रिपोर्ट

2014 -15

Annual Report

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

SURVEY OF INDIA

(विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग)

(DEPARTMENT OF SCIENCE

& TECHNOLOGY)

वार्षिक रिपोर्ट

ANNUAL REPORT

2014 - 2015

भारत के महासर्वेक्षक के आदेश से प्रकाशित

PUBLISHED BY THE ORDER OF THE SURVEYOR GENERAL OF INDIA

संरक्षक
डॉ0 स्वर्ण सुब्बा राव
भारत के महासर्वेक्षक

सलाहकार
श्री आर0 के0 मीणा
उप महासर्वेक्षक (तकनीकी)

मुख्य संपादक
श्री पंकज मिश्रा
उप निदेशक

सम्पादकीय और अभिकल्पना (रुपांकन) सहायक
श्री सुनील कुमार मेहता
अधिकारी सर्वेक्षक

डेटा संग्रहण और तैयारी
श्री विनायक बिष्ट
सर्वेक्षण सहायक

डॉ स्वर्ण सुव्वा राव
भारत के महासर्वेक्षक

भारतीय सर्वेक्षण विभाग
महासर्वेक्षक का कार्यालय,
हाथीबड़कला एस्टेट, पोस्ट बाक्स नं0 37,
देहरादून– 248001 (उत्तराखण्ड), भारत

प्राक्कथन

सन् 1767 में स्थापित भारतीय सर्वेक्षण विभाग सरकार का सबसे पुरातन विभाग है। भारतीय सर्वेक्षण विभाग ने ही सर्वप्रथम इन निर्जन भू भागों का पता लगाया और दूसरे लोगों ने उनका अनुसरण करते हुए इन क्षेत्रों में नवनिर्माण किया । वे घन जंगलों, रेगिस्तान और ऊंचे बर्फीले पर्वतों पर गए तथा वास्तव में वे लोग ही निर्जन विशुद्ध विरान क्षेत्रों में सबसे पहले पहुंचे । वहां उन्होंने सावधानीपूर्वक निष्ठा तथा परिश्रम से विकास, रक्षा और प्रशासन के लिए आवश्यक मानचित्रों को बनाने का कार्य किया । भारत राष्ट्र के निर्माण के आरम्भ में स्थालाकृतिक मानचित्रों ने अमूल्य भूमिका निभाई है तथा आधुनिक भारत के लगभग सभी प्रमुख विकासात्मक क्रियाकलापों की नींव रखने मे केन्द्र बिन्दु बना रहा है ।

प्रायद्वीपीय भारत की स्थलाकृति में विविधता है जिसमें विश्व के सर्वोच्च पर्वतों की हिमाच्छादित हिमालय श्रृंखला से लेकर गंगा के समृद्ध और उपजाऊ मैदान, वृहत् तरंगित क्षेत्र, घने जंगल, मरुस्थल शक्तिशाली नदियां, दलदल और लंबी तटरेखा शामिल है। स्वतंत्र भारत का क्षेत्रफल (3.28 मिलियन वर्ग कि0मी0) अधिकांशतः हिमालय के पार स्थित प्रवासियों के वंशजों द्वारा बसा हुआ है तथा आज यहां पर विभिन्न प्रजातियों, संस्कृतियों, भाषाओं तथा धर्मों का समावेशन है ।

भारत में सर्वेक्षण का प्रारंभिक इतिहास ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा विजयी क्षेत्रों के विस्तारण के अनुसरण के अनुरुप है । सौभाग्यवश भारत में अधिक से अधिक क्षेत्रों की खोज, उनका विस्तार तथा उनपर विजय प्राप्त करने की खोज ने एक नियमित सरकारी सर्वेक्षण संगठन की स्थापना के लिए प्रेरित किया तथा भारत विश्व में ऐसा करने तथा क्रमबद्ध वैज्ञानिक सर्वेक्षण प्रारंभ करने वाला प्रारंभिक देश बन गया है।

ईस्ट इंडिया कपंनी की सेना के अग्रदूतों तथा सर्वेक्षकों द्वारा अज्ञात भू–भागों को खोजने का कठिन कार्य किया गया । भारतीय भू–भाग के छोटे–छोटे भागों के चित्रण का कार्य प्रतिष्ठित सर्वेक्षकों की पंक्ति के सर्वेक्षकों जैसे– कर्नल लैंबटन और सर जार्ज एवरेस्ट के श्रम साध्य प्रयासों द्वारा पूरा किया गया। देश के वैज्ञानिक सर्वेक्षण तथा मानचित्रण की नींव इन प्रसिद्ध सर्वेक्षकों द्वारा 19वीं शताब्दी में वृहत् त्रिकोणमितीय सर्वेक्षण (जी0टी0एस0) द्वारा रखी गई ।

स्वतंत्रता के पश्चात् संपूर्ण देश में विकास की लहर आई जो आज तक कायम है। आर्थिक विकास नियोजन के साथ वैज्ञानिक नियोजन और उसके निष्पादन के लिए कई योजनाओं में सर्वेक्षण डाटा की आवश्यकता होने लगी। भारतीय सर्वेक्षण विभाग ने अपनी अधिकतर क्षमताओं को विकासात्मक परियोजनाओं में लगाया जिससे फलस्वरूप स्थलाकृतिक सर्वेक्षण को सामान्य स्थलाकृतिक सर्वेक्षणों को अधिक महत्व न देते हुए अपनी क्षमता को विकासात्मक परियोजनाओं की ओर लगाना होगा । सामान्य स्थलाकृतिक कार्यों की तुलना में भारतीय सर्वेक्षण विभाग को अपनी अधिकांश क्षमता को विकासात्मक परियोजनाओं में लगाना पड़ता था ।

ज्योडीय, स्थलाकृतिक के अलावा भारतीय सर्वेक्षण विभाग देश में सभी विकासात्मक परियोजनाओं की सर्वेक्षण आवश्यकताओं को पूरा करता है । विभिन्न केन्द्रीय / राज्य सरकार की एजेंसियों, केन्द्र/राज्य सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और अन्य संगठनों के लिए भारतीय सर्वेक्षण विभाग द्वारा छोटे/मध्यम/ बड़ी परियोजनाओं के लिए विभिन्न विकासात्मक सर्वेक्षण और मानचित्रण कार्य किए गए ।

विभाग ने अजेय हिमालय, तपते रेगिस्तान, भयानक बिमारियों और जंगली जानवरों से भरे जंगलों से सर्वेक्षण की चुनौतियों का सामना किया है । विभाग ने आधुनिक तकनीकी का भली भांति अपनाकर मानचित्रण और भौगोलिक सूचना पद्धति के युग में सफलता पूर्वक पदार्पण किया है ।

वर्तमान में भारतीय सर्वेक्षण विभाग को 08 जोनों, 23 भू–स्थानिक आंकड़ा केन्द्रों/क्षेत्रीय निदेशालयों, 06 विशिष्ट निदेशालयों और 29 राज्यों तथा 09 स्वायत्तशासी क्षेत्रों को समाहित करते हुए 01 प्रशिक्षण निदेशालय में संगठित किया गया है । विभाग में कार्मिकों की मानव शक्ति संख्या 5500 है। प्रत्येक जोन कार्यालय के अधीन कुछ क्षेत्रीय निदेशालय कार्यरत है, प्रत्येक क्षेत्रीय निदेशालय उस राज्य या छोटे राज्यों के ग्रुप की सभी स्थलाकृतिक और विकासात्मक सर्वेक्षण और मानचित्रण की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उत्तरदायी है ।

ज्योडीय एवं अनुसंधान शाखा, अन्तर्राष्ट्रीय सीमा निदेशालय, भौगोलिक सूचना पद्धति और सुदूर संवेदन निदेशालय, राष्ट्रीय भू–स्थानिक आंकड़ा केन्द्र, अंकीय मानचित्रण केन्द्र और मानचित्र अभिलेख और प्रसार केन्द्र, विशिष्ट निदेशालय है । प्रशिक्षण निदेशालय अर्थात भारतीय सर्वेक्षण एवं मानचित्रण संस्थान (आई०आई०एस०एम०) में फोटोग्रामिति, ज्योडेसी, मानचित्रकला और भौगोलिक सूचना पद्धति में प्रारम्भिक पुनश्चर्या, विशिष्ट और प्रगत पाठयक्रम चलाए जा रहे हैं ।

राष्ट्रीय मानचित्रण नीति (एन0एम0पी0 2005) ने भारतीय सर्वेक्षण विभाग को राष्ट्रीय स्थलाकृतिक डाटाबेस (एनटीडीबी) तैयार करने तथा मानचित्र की दोहरी सीरीज यथा – डी0एस0एम0 (रक्षा सीरीज मानचित्र) रक्षा सेनाओं की आवश्यकता के लिए तथा ओ0एस0एम0 (ओपन सीरीज मानचित्र) अन्य सभी उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध कराने का कार्य सौंपा है ।

मैं श्री आर0 के0 मीना, उप महासर्वेक्षक (तकनीकी), श्री पंकज मिश्रा, तकनीकी सचिव, श्री सुनील कुमार मेहता, अधिकारी सर्वेक्षक एवं श्री विनायक बिष्ट, सर्वेक्षण सहायक के प्रयासों की सराहना करता हूँ। जिन्होने वर्ष 2014–15 की वार्षिक रिपोर्ट, जो कि इस दौरान विभाग की उपलब्धियों का विहंगम दृश्य प्रदान करता है तैयार की है। इसके अतिरिक्त में श्री धूम सिंह, सहायक निदेशक (रा0भा0) तथा उनकी टीम द्वारा किये गये अनुवाद कार्य की भी सराहना करता हूँ।

डॉ0 स्वर्ण सुब्बा राव
भारत के महासर्वेक्षक

विषय सूची		
क्रम सं.	**शीर्षक**	**पृष्ठ सं.**
1.	प्रस्तावना	1
2.	कर्तव्यों का घोषणा पत्र	1
3.	राष्ट्रीय मानचित्रण नीति	3
4.	राष्ट्रीय डाटा शेयरिंग एक्सेसबिल्टी नीति	4
5.	नागरिक घोषणापत्र	5
6.	अन्तरराष्ट्रीय सीमाएं	6
7.	भारतीय सर्वेक्षण विभाग के तकनीकी क्रियाकलाप	8
7.1	स्थलाकृतिक सर्वेक्षण एवं मानचित्रण	8
7.2	हवाई फोटोग्राफी	8
7.3	अंकीय मानचित्रकला	9
7.4	ज्योडीय एवं भू–भौतिकीय	10
7.5	महत्वपूर्ण परियोजनाएं	11
7.6	विशेष सर्वेक्षण परियोजनाएं	14
8	मुद्रण की स्थिति	15
9.	सहयोगात्मक वैज्ञानिक क्रियाकलाप	15
10.	अनुसंधान एवं विकास	15
11.	सम्मेलन/संगोष्ठियां/बैठकें	16
12.	तकनीकी लेख	19
13.	विदेश यात्राएं	20
14.	भारतीय सर्वेक्षण विभाग के कार्यालयों में दौरा/भ्रमण	21
15.	सांस्कृतिक और शैक्षिक क्रियाकलाप	23
16.	सरकारी कामकाज में हिन्दी का प्रयोग	24
17.	संगठन	27
18.	व्यय	28
19.	मानवशक्ति	29
20.	शैक्षणिक और क्षमता निर्माण	30
21.	अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग का प्रतिनिधित्व	33
22.	अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और अशक्त व्यक्ति	34
	चार्ट	
	भारतीय सर्वेक्षण विभाग के कार्यालयों की अवस्थिति	
	1:25,000 स्थलाकृतिक मानचित्रों की स्थिति	
	1:50,000, 1:250,000 स्थलाकृतिक मानचित्रों और 1:1 मिलियन आई.एम.डब्ल्यू. और डब्ल्यू.ए.सी. (आई.सी.ए.ओ.) की स्थिति	

1. परिचय :

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के अधीन भारतीय सर्वेक्षण विभाग राष्ट्र की सुरक्षा और विकास के लिये अनेक प्रकार के विभिन्न पैमानों पर सम्पूर्ण भारत के स्थलाकृतिक, भौगोलिक तथा कई अन्य प्रकार के पब्लिक सीरीज मानचित्रों के उत्पादन और अनुरक्षण में कार्यरत है । इसके अतिरिक्त, भारत सरकार के कार्य–संचालन नियम के ''वैज्ञानिक सर्वेक्षण'' समूह के अधीन होने के कारण विज्ञान और प्रौद्योगिकी की आवश्यकताओं के लिये आधारिक डाटा उपलब्ध कराने के लिये इसे ज्योडीय एवं भू–भौतिकीय सर्वेक्षण, भू–कम्पनीयता एवं भूकम्प विवर्तनिक अध्ययन, पर्यावरण एवं आपदा प्रबंधन, अंटार्कटिका के भारतीय वैज्ञानिक अभियान में सहयोग, हिमनद विज्ञान कार्यक्रमों और अंकीय मानचित्रकला तथा अंकीय फोटोग्राममिति आदि से सम्बन्धित अन्य परियोजनाओं के क्षेत्र में भी व्यापक रूप से अपनी विशेषज्ञता प्रदान करने के लिए कहा गया है।

2. कर्तव्यों का घोषणा पत्रः

भारतीय सर्वेक्षण विभाग (भा.स.वि.) के कर्तव्य और उत्तरदायित्व निम्नवत् हैं :–

(ए) ज्योडीय प्लान एवं ऊँचाई नियंत्रण नेटवर्क का अनुरक्षण तथा भारमितीय एवं भूचुम्बकीय नियंत्रण नेटवर्क का प्रावधान और अनुरक्षण ।

(बी) रक्षा सेनाओं सहित राष्ट्रीय आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए संपूर्ण देश के स्थलाकृतिक सर्वेक्षण और मानचित्रण का प्रावधान ।

(सी) पड़ोसी देशों के साथ अच्छे सम्बन्धों के उद्देश्य से म्यांमार, ईरान, श्रीलंका और ओमान की सल्तनत के पत्तनों सहित हिन्द महासागर, अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में 44 पत्तनों की ज्वारीय प्रागुक्तियां तथा तट रेखा और द्वीपों के साथ–साथ ज्वारीय डाटा का संग्रहण ।

(डी) भौगोलिक मानचित्रों जैसे– रेलवे मानचित्र, सड़क मानचित्र, राजनैतिक मानचित्र, भौतिक मानचित्र आदि का संकलन/मानचित्रण और उत्पादन ।

(ई) अंतरराष्ट्रीय सिविल विमानन संगठन (आई.सी.ए.ओ.) के साथ हुई वचनबद्धता के रूप में विश्व सीरीज के अंतरराष्ट्रीय मानचित्र (आई.एम.डब्ल्यू.) और विश्व वैमानिक चार्ट (डब्ल्यू.ए.सी.) सीरीज को तैयार करना ।

(एफ) विकास परियोजनाओं जैसे – ऊर्जा और सिंचाई, खनिज अन्वेषण, शहरी और ग्रामीण विकास आदि के लिए सर्वेक्षण ।

(जी) वन क्षेत्रों, महानगरों का सर्वेक्षण और मानचित्रण तथा शहरों/नगरों/रुचिकर स्थलों के परिदर्शी मानचित्र तैयार करना ।

(एच) छावनी क्षेत्रों का सर्वेक्षण और मानचित्रण, भारतीय वायु सेना के लिए वैमानिक मानचित्रों/चार्टों के लिए सर्वेक्षण और मानचित्रण ।

(आई) भौगोलिक नामों का ध्वनि के आधार पर मानकीकरण करना और इस प्रयोजन के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा गठित अंतरराष्ट्रीय समिति में भाग लेना ।

(जे) भारत की बाह्य सीमा का निर्धारण और देश में प्रकाशित मानचित्रों पर इसका सही चित्रण करना। अन्तर–राज्यीय सीमाओं के निर्धारण के बारे में भी भारत सरकार को परामर्श देना।

(के) विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों, केन्द्र और राज्य सरकार के अन्य विभागों के प्रशिक्षणार्थियों तथा विदेशी प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण देना ।

(एल) ज्योडेसी, फोटोग्राममिति, मानचित्रकला और मुद्रण तकनीक आदि क्षेत्रों में अनुसंधान एवं विकासात्मक क्रियाकलापों का संवर्धन करना ।

(एम) संबंधित क्षेत्रों में आधुनिक प्रौद्योगिकी को आरम्भ करना और आयात प्रतिस्थापन के साधन के रुप में उपस्कर का स्वदेशीकरण । इसमें स्वदेशी यंत्रों/सामग्री का विकास करना सम्मिलित है जिससे आत्मनिर्भरता बढ़ सके और विदेशी मुद्रा भण्डार (रिजर्व) के अपक्षय में कमी लायी जा सके ।

(एन) सम्पूर्ण देश के लिए हवाई फोटोग्राफी उपलब्ध कराने में समन्वय और नियंत्रण करना।

(ओ) अनुसंधान और विकास क्रियाकलापों के संवर्धन के लिए विशिष्ट परियोजनाओं पर प्रशिक्षण संगठनों, शैक्षिक संस्थानों और वैज्ञानिक निकायों के साथ सहयोग करना ।

(पी) सर्वेक्षण और मानचित्रकला के विकास के संवर्धन और इष्टतम परिणाम के लिए नवीनतम प्रोद्योगिकी प्रारंभ करने के लिए विभिन्न अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रतिनिधित्व करना ।

(क्यू) तीसरी दुनिया के देशों जैसे – नाइजीरिया, अफगानिस्तान, केन्या, ईराक, नेपाल, श्रीलंका, जिम्बाब्वे, इन्डोनेशिया, भूटान, म्यांमार और मॉरिशस आदि को सर्वेक्षण और मानचित्रकला तथा सर्वेक्षण शिक्षा के विभिन्न विषयों में तकनीकी जानकारी और विशेषज्ञता उपलब्ध कराकर सहायता देना ।

उपर्युक्त क्रियाकलापों के अतिरिक्त, भारत के महासर्वेक्षक निम्नलिखित विशेषज्ञ ग्रुपों/समितियों से संबद्ध हैं:–

(क) यूनाइटेड नेशन्स रीजनल कार्टोग्राफिक कांग्रेस (यू०एन०आर०सी०सी०) के तत्वावधान में एशिया और पैसेफिक (पी०सी०जी०आई०पी०) के लिए जी.आई.एस. इन्फ्रास्ट्रैक्चर के कार्यकारी बोर्ड की स्थायी समिति के सदस्य ।

(ख) योजना आयोग द्वारा गठित नेशनल नेचुरल रिसोर्सिस मैनेजमेंट सिस्टम (एन०एन०आर०एस०) प्रोग्राम के अन्तर्गत 'मानचित्रकला और मानचित्रण की स्थायी समिति' के अध्यक्ष ।

(ग) भारतीय भू–वैज्ञानिक सर्वेक्षण की प्रबंधन समिति के सदस्य ।

(घ) वाडिया हिमालय भू–विज्ञान संस्थान के शासी निकाय (गवर्निंग बॉडी) के सदस्य ।

(ड़) भारत के महासर्वेक्षक सभी प्रकार के सर्वेक्षण और मानचित्रकला से संबंधित मामलों पर भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों के सलाहकार के रूप में कार्य करते हैं । भारतीय सर्वेक्षण विभाग, सर्वेक्षण की विशिष्टताओं पर भी परामर्श देता है और केन्द्र सरकार तथा राज्य सरकारों के विभिन्न विभागों को विकास, योजना और रक्षा प्रयोजनों के लिए आवश्यक डाटा और मानचित्र उपलब्ध कराता है ।

3. राष्ट्रीय मानचित्रण नीति : 2005:

प्रस्तावना

सभी सामाजिक–आर्थिक विकास कार्यकलाप, प्राकृतिक संसाधनों का सरंक्षण, आपदा से बचाव की तैयारी की योजना और आधारिक संरचना के विकास के लिए उच्च गुणवत्ता के स्थानिक आंकड़ों की आवश्यकता होती है । अंकीय प्रौद्योगिकियों में हुई प्रगति ने विविध स्थानिक आंकड़ा आधारों का उपयोग एकीकृत रूप में करना अब संभव कर दिया है । सम्पूर्ण देश व स्थलाकृतिक मानचित्र डाटा आधार, जो कि सभी स्थानिक आंकड़ा की नींव हैं, को बनाने, इसके रख–रखाव और प्रसार का उत्तरदायित्व भारतीय सर्वेक्षण विभाग का है । हाल ही में भारतीय सर्वेक्षण विभाग को राष्ट्रीय सुरक्षा को जोखिम में डाले बिना उपयोगकर्ता समूह की स्थानिक आंकड़ा तक पहुंच उदार बनाने के लिए अग्रणी भूमिका सौंपी गई है। इस भूमिका के निर्वहन में मानचित्रों और स्थानिक आंकड़ा के प्रसार की नीति स्पष्ट होनी चाहिए ।

उद्देश्य

राष्ट्रीय मानकों के अनुरुप भारतीय सर्वेक्षण विभाग के राष्ट्रीय स्थलाकृतिक डाटा आधार (एन0टी0डी0बी0) का रखरखाव और उस तक पहुंच की अनुमति देना और उपलब्ध कराने का प्रबन्ध करना।

समाज के सभी वर्गों द्वारा भागीदारी और अन्य साधनों के माध्यम से भू–स्थानिक जानकारी और समझ के उपयोग का संवर्धन और ज्ञान आधारित समाज के लिए कार्य करना ।

मानचित्रों की दोहरी सीरीज

यह सुनिश्चित करने के लिए कि इस नीति की प्रगति में राष्ट्रीय सुरक्षा के उद्देश्य पूर्णतः अभिरक्षित हैं, यह निर्णय लिया गया है कि मानचित्रों की दो सीरीज होंगी अर्थात्:–

(क) रक्षा सीरीज मानचित्र (डी0एस0एम0)

ये विभिन्न पैमानों पर परिशुद्धता को कम किए बिना ऊंचाई, समोच्च रेखएं और पूर्ण अन्तर्वस्तु सहित स्थलाकृतिक मानचित्र (एवरेस्ट/डब्ल्यू जी0एस0–84 आधार और बहुशंकुक (पोलिकोनिक)/यू0टी0एम0 प्रेक्षप पर) होंगे । ये मानचित्र मुख्यतः रक्षा सेनाओं और राष्ट्रीय सुरक्षा की आवश्यकताओं की पूर्ति करेंगे ।

सम्पूर्ण देश के लिए मानचित्रों की यह सीरीज (एनालॉग तथा अंकीय आकार में) उपयुक्त रुप से वर्गीकृत किए जाएंगे और इनके उपयेाग के संबंध में रक्षा मंत्रालय द्वारा दिशा–निर्देश तैयार किए जाएंगे ।

(ख) ओपन सीरीज मानचित्र (ओ0एस0एम0)

ओपन सीरीज मानचित्र मुख्यतः देश में विकास कार्यकलापों में सहायता देने के लिए पूर्णतः भारतीय सर्वेक्षण विभाग द्वारा प्रकाशित किए जाएंगे । ओपन सीरीज मानचित्रों का मानचित्र शीट संख्यांकन अलग होगा और ये डब्ल्यू जी0एस0–84 आधार पर यू0टी0एम0 प्रेक्षप में होंगे । ओपन सीरीज मानचित्रों के प्रत्येक मानचित्र (हार्ड कॉपी और अंकीय आकार दोनों में) रक्षा मंत्रालय से एक बार निर्बाधन (क्लियरेंस) प्राप्त करने के बाद 'अप्रतिबंधित' हो जाएंगे । ओपन सीरीज मानचित्रों की अन्तर्वस्तु अनुबंध 'ख' में दिए गए अनुसार होगी । भारतीय सर्वेक्षण विभाग यह सुनिश्चित करेगा कि ओपन सीरीज मानचित्रों में कोई असैनिक और सैन्य सुभेद्य (VA's) और सुभेद्य महत्वपूर्ण बिन्दु (VP'S) नहीं दर्शाए गए हैं। भारतीय सर्वेक्षण विभाग समय–सय पर ओपन सीरीज मानचित्रों के सभी पहलुओं के संबंध में जैसे–उपयोगकर्ता ऐजेंसियों द्वारा इन तक पहुंच के लिए प्रक्रिया, इनका आगे प्रसार/उपयोगकर्ता एजेंसियों द्वारा उपयोगिता बढ़ाकर अथवा बिना उपयोगिता बढाए ओपन सीरीज मानचित्रों की हिस्सेदारी और डाटा और अन्य आनुषंगिक मामलों में भारतीय सर्वेक्षण विभाग के व्यवसाय और वाणिज्यिक रुचि का संरक्षण करते हुए उपाय के लिए विस्तृत दिशा–निर्देश जारी करेगा । उपयोगकर्ताओं को हार्डकॉपी और वेब पर जी0आई0एस0 डाटा बेस सहित अथवा इसके बिना मानचत्रि प्रकाशित करने की अनुमति होगी ।

तथापि, यदि मानचित्र पर अंतर्राष्ट्रीय सीमा दर्शाई गई है, तो भारतीय सर्वेक्षण विभाग से प्रमाणीकरण आवश्यक होगा । इसके अतिरिक्त, भारतीय सर्वेक्षण विभाग वर्तमान में शहर के मानचित्र तैयार कर रहा है । ये शहर मानचित्र बृहत पैमाने पर डब्ल्यू0जी0एस0–84 आधार पर और सार्वजनिक क्षेत्र में होंगे । ऐसे मानचित्रों की अन्तर्वस्तु रक्षा मंत्रालय से परामर्श करके भारतीय सर्वेक्षण विभाग द्वारा निर्धारित की जाएगी ।

राष्ट्रीय स्थलाकृतिक डाटा आधार (एन0टी0डी0बी0)

भारतीय सर्वेक्षण विभाग निम्नलिखित डाटा सेटों सहित एनालॉग और अंकीय आकार में राष्ट्रीय स्थलाकृतिक डाटा आधार (एन0टी0डी0बी0) का सृजन, विकास और रख–रखाव करता रहेगा :–

(क) राष्ट्रीय स्थानिक संदर्भ ढांचा

(ख) राष्ट्रीय अंकीय उच्चता मॉडल

(ग) राष्ट्रीय स्थलाकृतिक टेम्पलेट

(घ) प्रशासनिक सीमाएं और

(ड.) टोपोनिमि (स्थान नाम)

रक्षा सीरीज मानचित्र और ओपन सीरीज मानचित्र एन0टी0डी0बी0 से तैयार किए जाएंगे ।

मानचित्र प्रसार और उपयोग

भारतीय सर्वेक्षण विभाग ब्रिक्री द्वारा अथवा किसी भी ऐजेंसी के साथ करार द्वारा विशिष्ट लक्ष्य के उपयोग के लिए 1:1 मिलियन से बड़े पैमाने की ओपन सीरीज के मानचित्रों का ऐनालॉग अथवा अंकीय कार्य में प्रसार कर सकता है । इस कार्रवाई को प्राप्त करने वाली एजेंसी और अन्तिम उपयोग के प्रयोजन आदि के ब्यौरे सहित रजिस्ट्रेशन डाटा बेस में पंजीकृत किया जाएगा ।

नेशनल डाटा शेयरिंग एक्सेसिबल पॉलिसी एन0डी0एस0ए0पी – 2012

प्रस्तावना

संपत्तियों और डाटा की महत्वपूर्ण क्षमता को हर स्तर पर विस्तृत पहचान मिलती है । लोक निवेश द्वारा एकत्रित या तैयार किए गए डाटा की क्षमता को यदि आम जनता के लिए उपलब्ध कराया जाए तथा समय–समय पर उसका रख–रखाव किया जाए तो इसे और अधिक व्यावहारिक बनाया जा सकता है । राष्ट्रीय परिचर्चा, अच्छा निर्णय लेने तथा समाज की जरूरतों को पूरा करने हेतु लोक संसाधनों द्वारा संकलित डाटा को आसानी से उपलब्ध कराने की मांग समाज द्वारा बढ़ती जा रही है।

देश में विभिन्न संगठनों/संस्थानों द्वारा लोक निवेश के माध्यम से संकलित डाटा का अधिकांश भाग सिविल सोसाइटी की पहुँच से परे है जबकि इस प्रकार के डाटा का अधिकांश भाग संवेदनशील नहीं है और आम जनता को वैज्ञानिक, आर्थिक तथा विकासात्मक उद्देश्यों हेतु दिया जा सकता है। एन0डी0एस0ए0पी0 पॉलिसी को इस प्रकार तैयार किया गया है ताकि भारत सरकार के विभिन्न विभागों द्वारा लोक फंड के माध्यम से उत्पादित साझा करने योग्य असंवेदनशील डाटा डिजिटल या एनॉलाग रूप में आम जनता को उपलब्ध कराया जा सके । राष्ट्रीय योजना एवं विकास कार्यों के लिए भारत सरकार के स्वामित्व वाले डाटा पर पहुंच बनाने तथा उसे साझा करने की प्रक्रिया को विकसित करने के लिए एन0डी0एस0ए0पी0 पॉलिसी तैयार की गई है ।

उद्देश्य

इस पॉलिसी का उद्देश्य भारत सरकार के स्वामित्व वाले मनुष्य तथा मशीन द्वारा पठनीय साझा करने योग्य डाटा और सूचना को अतिसक्रिय तथा समय–समय पर आद्यातित नेटवर्क के माध्यम से तथा विभिन्न संबंधित पॉलिसियों के अंतर्गत आम जनता की पहुंच को आसान बनाना है ।

5. नागरिक घोषणापत्रः

भारत सरकार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधीन भारतीय सर्वेक्षण विभाग एक राष्ट्रीय सर्वेक्षण और मानचित्रण संगठन है तथा भारतीय सर्वेक्षण विभाग को राष्ट्रीय सुरक्षा को जोखिम में डाले बिना उपयोगकर्ता समूह की स्थानिक आंकड़ा तक पहुँच उदार बनाने के लिए अग्रणी भूमिका सौंपी गई है। संपूर्ण देश के स्थलाकृतिक मानचित्र डाटा आधार, जो कि सभी स्थानिक डाटा की नींव हैं, को बनाने, इसके रख–रखाव और प्रसार का उत्तरदायित्व भारतीय सर्वेक्षण विभाग का है । अतः अपनी सेवाओं की उपलब्धता को बढ़ाने के लिए भारतीय सर्वेक्षण विभाग ने नागरिक घोषणापत्र प्रतिपादित करने का निर्णय लिया है।

यह घोषणापत्र पब्लिक, सरकारी, निजी संगठनों और अन्य स्टेकहोल्डरों के लाभ के लिए राष्ट्रीय मानचित्रण नीति के प्रतिपादन और कार्यान्वयन में विशिष्टता प्राप्त करने के संबंध में हमारे दृष्टिकोण, मूल्यों और मानकों का घोषणापत्र है । यह नागरिक घोषणापत्र हमारी दक्षता निर्धारित करने का निर्देशचिह्न भी है तथा यह एक सक्रिय दस्तावेज हो सकता है जिसे 5 वर्ष में कम से कम एक बार पुनरीक्षित किया जा सके।

हमारी कार्यनीति

अपने मिशन को प्राप्त करने के लिए हमारी कार्यनीति में निम्नलिखित कार्य शामिल हैः–

•उत्पाद / डाटा का स्तर निर्धारण ।

•सूचना प्रौद्योगिकी के प्रयोग को बढ़ावा देना ।

•सेवा उपलब्ध्ता स्तर की अनुरूपता या मापन करना ।

•अन्य सरकारी और प्राइवेट एजेंसियों के साथ सहयोगात्मक पहल करना ।

हमारे ग्राहक :

सेना/सुरक्षा, सूचना प्रौद्योगिकी, शिक्षा और अनुसंधान नौवहन, पर्यटन, आपदा प्रबंधन, इंजीनियरिंग और उत्पादन, पर्यावरण, खनन, वेधन, विकास, कृषि, मत्स्य जनोपयोगी सेवाओं आदि क्षेत्रों से जुड़े सरकारी और निजी संगठनों के साथ–साथ प्राइवेट व्यक्ति हैं ।

हमारी संभावनाएं :

हम नागरिकों से अपेक्षा करते हैं कि वे

•भू–स्थानिक डाटा प्रसार संचालित करने वाले नियमों और विनियमों को प्रोत्साहित कर आदर करेंगे।

•अपने कार्यों और विधिक दायित्वों को समय पर पूरा करेंगे ।

•सूचना प्रस्तुत करने में ईमानदारी बरतेंगे ।

•पूछताछ और सत्याापन में सहयोगी और स्पष्टवादी बनेंगे ।

•अनावश्यक मुकदमेबाजी से बचेंगे ।

इससे हमें प्रभावी और कार्यकुशल तरीके से राष्ट्र की सेवा करने में मदद मिलेगी ।

हमारी वचनबद्धता :

हम प्रयास करते हैं कि हम–

•अपने देश की सेवा में लगे रहेंगे ।

•राष्ट्र की सुरक्षा के लिए कार्य करना सुनिश्चित करेंगे ।

•अपनी प्रक्रियाओं और कार्य संपादन को जहां तक संभव हो पारदर्शी बनाएंगे ।

•अपने कार्यों को कार्यान्वित करेंगे –

- •सत्यनिष्ठा और विवेकसम्मत से
- •निष्पक्षता और औचित्य से
- •शिष्टाचार और समझदारी से
- •वस्तुनिष्ठता और पारदर्शिता से
- •शीघ्रता और दक्षता से

6. अंतराष्ट्रीय सीमांए :

i) सम्मेलन/बैठक

(1) भारत–म्यांमार सीमा

श्री रविन्द्र कुमार, अधीक्षक सर्वेक्षक ने 17.11.2014 से 18.011.2014 तक यांगून, म्यांमार में भारत–म्यांमार के बीच हुई 19वीं राष्ट्रीय स्तर की बैठक में भाग लिया ।

श्री यू॰एस॰ प्रसाद, अधीक्षक सर्वेक्षक, अंतर्राष्ट्रीय सीमा निदेशालय (म॰स॰का॰) ने दिनांक 04.03.2015 को विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली में भारत और म्यांमार के सर्वेक्षण विभाग के प्रमुखों की बैठक की तैयारी के लिए अंतः अनुसचिवीय बैठक में भाग लिया ।

(2) भारत–बंग्लादेश सीमा

इस अवधि के दौरान कोई भी क्रियाकलाप नहीं किए गए ।

(3) भारत–पाकिस्तान सीमा

श्री प्रदीप सिंह, उप अधीक्षक सर्वेक्षक, हरियाणा और चंडीगढ़ भू–स्थानिक आंकड़ा केन्द्र ने 10.09.2014 को जे0सी0पी॰ अटारी में भारत–पाक सीमा के साथ संयुक्त पुनरस्थापन कार्य की प्रगति के संबंध में विचार विमर्श/समीक्षा करने के संबंध में संयुक्त स्टाफ अधिकारियों/इंजीनियरों /सर्वेक्षकों की बैठक में भाग लिया ।

श्री नीरज कुमार, अधीक्षक सर्वेक्षक, राजस्थान भू–स्थानिक आंकड़ा केन्द्र ने 16.06.0014 को बी॰पी॰ सं॰814/एम (पाक की ओर) में आयोजित बैठक में भाग लिया ।

(4) भारत –नेपाल सीमा

भारत–नेपाल सीमा कार्य दल (बी डब्ल्यू जी) की प्रथम बैठक दिनांक 17.09.2014 से 19.09.2014 तक काठमांडू (नेपाल) में आयोजित की गई। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व डॉ॰ स्वर्ण सुब्बा राव, भारत के महासर्वेक्षक तथा नेपाली प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व श्री नागेन्द्र झा, नेपाल सरकार के सर्वेक्षण विभाग के महानिदेशक द्वारा किया गया ।

डॉ0 स्वर्ण सुब्बा राव, भारत के महासर्वेक्षक नेपाली प्रतिनिधि मंडल के साथ

श्री चंद्रपाल, निदेशक, अंतराष्ट्रीय सीमा निदेशलय (म॰स॰का॰) ने दिनांक 30.12.2014 से 31.12.2014 तक देहरादून में आयोजित भारत–नेपाल सर्वेक्षण पदाधिकारी समिति की प्रथम बैठक में भाग लिया ।

(5) भारत–भूटान सीमा

श्री चंद्रपाल, निदेशक, अंतराष्ट्रीय सीमा निदेशालय, म॰स॰का॰ ने 20.06.2016 को नई दिल्ली में भारत–भूटान सीमा प्रबंधन और सुरक्षा पर आयोजि सचिव स्तरीय बैठक में भाग लिया ।

(ii) सीमा सर्वेक्षण

भारतीय सर्वेक्षण विभाग को भारतीय गणराज्य की बाहरी सीमाओं के सीमांकन, देश में प्रकाशित मानचित्रों पर उनका अंकन तथा अंतर–राज्यीय सीमाओं के सीमांकन में परामर्श देने का उत्तरदायित्व सौंपा गया है।

भारत–पाक, भारत–भूटान, भारत–म्यांमार और भारत–बांग्लादेश के बीच सीमा स्तंभों/सीमा सीमांकन सर्वेक्षण के संयुक्त निरीक्षण के लिए फील्ड कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया गया है ।

7. भारतीय सर्वेक्षण विभाग में तकनीकी कार्यकलाप :

7.1 स्थलाकृतिक सर्वेक्षण और मानचित्रण की स्थिति :

विभिन्न पैमानों पर स्थलाकृतिक सर्वेक्षण और मानचित्रण का विवरण निम्नवत् है :–

(1) नियंत्रण सर्वेक्षण

क्रम सं॰	कार्यकलाप	क्षेत्रफल (वर्ग कि॰मी॰) दूरी (रेखीय कि॰मी॰)
1	टोपो त्रिभुजन	निल
2	मालारेखण	92.8 रेखीय कि॰मी॰
3	तलेक्षण	3931.4 रेखीय कि॰मी॰
4	हवाई त्रिभुजन	निल

(2) सत्यापन सर्वेक्षण

पैमाना	शीटों की कुल संख्या	सत्यापित शीटें		अब तक सत्यापित कुल शीटें
		31 मार्च 2014 तक	2014.15 के दौरान	
1:50,000	5060	4909	14	4923
1:25,000	19,393	781	17	798

(3) विभागातिरिक्त प्रकाशनों का सीमा सत्यापन

सीमा सत्यापन विंग द्वारा प्राइवेट/राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के प्रकाशनों की संवीक्षा और सत्यापन कार्य निम्नलिखित विवरणानुसार किया गया :–

क्रम सं0	कार्य का नाम	मानचित्रों की संख्या
1.	संवीक्षा	2284
2.	प्रमाणीकरण	2500
3.	सीमा विवरण/सत्यापन	46

7.2 हवाई फोटोग्राफी :

वर्ष के दौरान देश के विभिन्न भागों में भारतीय सर्वेक्षण विभाग द्वारा पूरी की गई तथा पुनरीक्षित हवाई फोटोग्राफी निम्नवत् हैः–

क्रम सं॰	पैमाना	आच्छादित क्षेत्रफल (वर्ग कि॰मी॰)
1.	1:8,000	7025
2.	1:10,000	5149
3.	1:15,000	32022
4.	1:20,000	2600
5.	1:40,000	6040
	कुल	52,836 वर्ग कि॰मी॰

7.3 **अंकीय मानचित्रकला**

वर्ष के दौरान राष्ट्रीय भू–स्थानिक आंकड़ा केन्द्र, देहरादून, भौगोलिक सूचना पद्धति एवं सुदूर संवेदन निदेशालय, हैदराबाद, जी.आई.एस. टेक्नोलॉजी सेंटर, महासर्वेक्षक का कार्यालय (म.स.का.), देहरादून और विभिन्न भू–स्थानिक आंकड़ा केन्द्रों के अधीन अंकीय सैलों के क्रियाकलापों का विवरण निम्नवत् है :–

अंकीय मानचित्रीय डाटा बेस (डी.सी.डी.बी.) का अंकीकरण और सृजन

(1) विभागीय

1:250,000 पैमाने पर शीटों के मानचित्रीय डाटा बेस का अंकीकरण और सृजन का कार्य पूरा हो चुका हैं और इन शीटों के अद्यतनीकरण का कार्य प्रगति पर है ।

1:50,000 पैमाने पर ओ.एस.एम./डी.एस.एम. शीटों के मानचित्रीय डाटा बेस के अंकीकरण और सृजन का कार्य निम्नवत् पूरा हो चुका है :–

ओ॰एस॰एम॰ शीटों की प्रगति						
कुल शीटें	पूर्ण की गई डी॰टी॰डी॰ बी॰	पूर्ण की गई डी॰ सी॰ डी॰ बी॰	मुद्रण के लिए (शीटें)			
			अंग्रेजी रूपांतर		हिंदी रूपांतर	
			मुद्रण के लिए प्रस्तुत की गई	मुद्रित की गई	मुद्रण के लिए प्रस्तुत की गई	मुद्रित की गई
5060	4792	4616	4470	1602	410	16

डी॰एस॰एम॰ शीटों की प्रगति				
कुल शीटें	पूर्ण की गई डी॰टी॰डी॰बी॰	पूर्ण की गई डी॰ सी॰ डी॰ बी॰	मुद्रण के लिए (शीटें)	
			मुद्रण के लिए प्रस्तुत की गई	मुद्रित की गई
5060	4841	4820	3589	256

स्थलाकृतिक शीटों के अंकीयकरण की प्रगति		
क्रम सं॰	पैमाना	शीटों की संख्या
1.	1:25,000	9348

(2) विभागातिरिक्त

संगठनों/विभागों के लिए .dgn फाइलों को .shp फाइलों में परिवर्तित किया गया ।

(i) हिमाचल प्रदेश वन विभागीय परियोजना

(ii)केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो

(iii) भू अभिलेख और बंदोबस्त विभाग, ग्वालियर

(iv)रेल विकास निगम लिमिटेड परियोजना, नई दिल्ली

(v)भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, नई दिल्ली

(vi)भारतीय अंतरर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण, नोएडा

7.4 ज्योडीय और भू–भौतिकीय

(1) ज्योडीय नियंत्रण

विभाग द्वारा विभिन्न संरचनाओं के संरेखण को नियत करने, बांध विरूपण अध्ययन, भूपर्पटी संचलन अध्ययन तथा राष्ट्रीय विरासत के स्मारकों आदि के स्थायित्व के अनुवीक्षण के लिए क्षैतिज तथा उर्ध्वाधर नियंत्रण उपलब्ध कराने हेतु निम्नलिखित कार्य किए गए :–

i)	जी॰सी॰पी॰ लाइब्रेरी के लिए जी॰पी॰एस॰ प्रेक्षण	71 स्टेशन
ii)	त्रिकोणीयन	15 स्टेशन
iii)	भारतीय उधर्वाधर डेटम की पुनरव्याख्या के लिए उच्च परिशुद्ध तलेक्षण	402 रेखीय कि0मी॰ (आगे और पीछे)
iv)	परियोजना सर्वेक्षण के लिए परिशुद्ध तलेक्षण	411.57 रेखीय कि॰मी॰
v)	ई॰डी॰एम॰ दूरी	165.61 कि॰मी॰
vi)	परियोजनाओं के लिए कोणीय प्रेक्षण	345 स्टेशन
vii)	परियोजना सर्वेक्षणों के लिए बेसों की संख्या	250 बेस
viii)	परियोजनाओं के लिए जी॰पी॰एस॰ प्रेक्षण	110 स्टेशन
x)	गुरूत्व प्रेक्षण	235 स्टेशन

(2) गुरूत्व

उत्तराखण्ड में एच॰पी॰ लेवलिंग रेखा के पास 209 स्टेशनों पर गुरूत्व प्रेक्षण के लिए एक आटोमेटेड ग्रेवीमीटर (सी॰जी॰–5) का प्रयोग किया गया ।

(3) भू–चुंबकीय

तीन भू–चुंबकीय घटकों यथा – क्षैतिज बल (एच॰एफ॰), ऊर्ध्वाधर बल (वी॰एफ॰), दिक्पात (डी) के विचरण की आटोमेटिक रिकोर्डिंग तथा उनका परिशुद्ध मापन पूरे वर्ष के दौरान किया गया । वैरियोग्राफों के आधार रेखा मान के नियंत्रण के लिए DIM और ENVI-Mag से परिशुद्ध मापन किया गया । अन्य सरकारी विभागों को भी वैज्ञानिक अध्ययनों के लिए डाटा उपलब्ध करवाया गया ।

दक्षिण और पश्चिम भारत में क्षैतिज बल (एच॰एफ॰), ऊर्ध्वाधर बल (वी॰एफ॰), दिक्पात (डी) उपलब्ध कराने के लिए 50 स्टेशनों पर भू–चुंबकीय प्रेक्षण किए गए ।

रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान हैदराबाद और बंगलूरु में जिओड मॉडल के लिए 17 स्टेशनों के खगोलीय प्रेक्षण का कार्य पूरा किया गया ।

(4) ज्वारीय क्रियाकलाप

भारतीय सर्वेक्षण विभाग भारतीय तट और द्वीप समूहों के साथ स्थापित ज्वारीय वेधशालाओं की सीरीज का रखरखाव करता है। ज्वारीय प्रागुक्तियों के लिए नियमित आधार पर ज्वारीय प्रेक्षण किए जाते हैं। ज्वारीय वेधशालाओं में स्थापित ज्वारभाटा गेजों से उत्पन्न ज्वारीय डाटा गुणवत्ता नियंत्रित है तथा इसका प्रयोग हार्मोनिक घटकों के उन्नयन के लिए किया जाता है। ये आंकड़े ज्वारीय प्रागुक्तियों के लिए प्रयोग किए जाते हैं जो भारतीय ज्वारीय सारणी के रूप में प्रकाशित किए जाते हैं ।

26 दिसंबर, 2004 की सुनामी के बाद भारतीय सर्वेक्षण विभाग ने भारतीय ज्वार भाटा गेज नेटवर्क के आधुनिकीकरण और विस्तार'' परियोजना के अंतर्गत सुनामी पूर्व चेतावनी सिस्टम स्थापित करने में अत्यधिक योगदान दिया और वी–सेट नेटवर्क द्वारा रियल टाइम डाटा ट्रांसमिशन सुविधाओं के साथ सह–स्थापित नवोन्नत अंकीय ज्वार भाटा गेज और द्वि आवर्ती जी॰पी॰एस॰ रिसीवरों की सभी ज्वारीय प्रयोगशालाओं को भारत के पूर्वी तथा पश्चिमी तट के साथ स्थापित करने का निर्णय लिया गया ।

सुनामी आने के किसी संकेत अथवा भूविवर्तनिक और भूपर्पटी संचलन से संबंधित किसी आसन्न आपदा का पता लगान के लिए राष्ट्रीय ज्वारीय डाटा केन्द्र / राष्ट्रीय जी0पी0एस0 डाटा केन्द्र पर विभाग के वी सेट नेटवर्क द्वारा रियल टाइम में प्राप्त ज्वारीय और जी0पी0एस0 डाटा को संसाधित किया जाता है ।

7.5 प्रमुख परियोजनाओं की प्रगति :

(1) राष्ट्रीय शहरी सूचना पद्धति (एन॰यू॰आई॰एस॰) परियोजना :

शहरी विकास मंत्रालय की राष्ट्रीय शहरी सूचना पद्धति (एन॰यू॰आई॰एस॰) के अंतर्गत भारतीय सर्वेक्षण विभाग ने 152 शहरों के 1:2000 पैमाने पर मुख्य क्षेत्र (कोर एरिया) और 1:10,000 पैमाने पर परिधीय क्षेत्र के मानचित्रण का कार्य शुरू किया है । इस परियोजना में निम्नलिखित भू–स्थानिक आंकडा केन्द्रों को शामिल किया गया है – आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, जम्मू और कश्मीर, झारखण्ड, मध्य प्रदेश, त्रिपुरा, मणिपुर और मिजोरम, राजस्थान और पश्चिम बंगाल और सिक्किम भू–स्थानिक आंकड़ा केन्द्र ।

(i) 1:10,000 पैमाना सर्वेक्षण

सभी 152 शहरों की भू संदर्भित सैटेलाइट इमेजरी और थिमैटिक मानचित्रण का कार्य पूरा कर लिया गया है। 152 शहरों का डाटा गुण संग्रहण के लिए राज्य नोडल एजेंसी को भेजा गया है जिसमें से 100 शहरों का कार्य पूरा कर लिया गया है । 89 शहरों का अंतिम कार्य राज्य नोडल एजेंसी को भेजा गया है ।

(ii) 1:2,000 पैमाना सर्वेक्षण

सभी 152 शहरों का भू नियंत्रण तथा 2डी लक्षण निष्कर्षण कार्य पूरा हो चुका है । 152 शहरों से संबंधित डाटा गुण संग्रहण के लिए राज्य नोडल एजेंसी को सौंपा गया है । 144 शहरों के डाटा गुण संग्रहण का कार्य पूरा हो चुका है

(2) हैजर्ड लाइन का मानचित्रण और निरूपण

बढ़ती जनसंख्या, शहरीकरण और त्वरित विकासात्मक क्रियाकलापों के कारण हाल के वर्षों में तटीय पर्यावरण को अति महत्व दिया जा रहा है । पर्यावरण और वन मंत्रालय (एफ ओ ई एफ) ने ''इंटीग्रेटेड कोस्टल जोन मैनेजमेंट (आई॰सी॰जेड॰एम॰) नामक परियोजना'' आरम्भ की है । परियोजना से भारत की आर्थिक संरचना जैसे – समुद्रतटीय सुविधाएं, पेट्रोलियम उद्योग, रिन्यूएबल ऊर्जा संसाधन, आयात आधारित उद्योग तथा तटरेखा के साथ अब स्थित समुदाय तथा उनकी संपत्ति की सुरक्षा में वृद्धि होगी । भारतीय सर्वेक्षण विभाग को तटरेखा से 7 कि0मी0 विस्तार तक मुख्य भूमि की ओर भारत के सम्पूर्ण तट की भूमि के लिए हैजर्ड लाइन की रुपरेखा बनाकर 1:10,000 पैमाने पर आधार मानचित्र के रू॰ में 0.5 मीटर ऊॅचाई समाच्च रेखा मानचित्र तैयार कर रहा है ।

भारतीय सर्वेक्षण विभाग ने इंटीग्रेटेड कोस्टल जोन मैनेजमैंट (आई0सी॰जेड॰एम॰) परियोजना के भाग के रूप में 100 वर्षों की अवधि के उच्चतम ज्वारभाटा लेवल स्तर के निर्धारण में विशाल कार्य कर अपना योगदान दिया है । नियंत्रण कार्य (जी॰पी॰एस॰ प्रेक्षण और लेवलिंग) हवाई फोटोग्राफी और ज्वारीय प्रेक्षणों के सघनीकरण के लिए उनके विश्लेषण के सहित 32 दिनों का ज्वारीय प्रेक्षणों का कार्य कार्यान्वित किया गया तथा पूरा कर लिया गया । समेकित रिपोर्ट परियोजना निदेशक, आई॰सी॰जेड॰एम॰ परियोजना और राष्ट्रीय परियोजना निदेशक, एस॰आई॰सी॰ओ॰एम॰, नई दिल्ली को प्रस्तुत की गई । इस परियोजना में निम्नलिखित भू–स्थानिक आंकड़ा केन्द्रों को शामिल किया गया है । आंध्र प्रदेश, गुजरात, दमन और दीव, कर्नाटक, केरल और लक्षद्वीव, महाराष्ट्र एवं गोवा, तमिलनाडु और पांडिचेरी तथा पश्चिम बंगाल और सिक्किम भू–स्थानिक आंकड़ा केन्द्र ।

(3) भारतीय उर्ध्वाधर डेटम की पुनरव्याख्या :–

''भारतीय उर्ध्वाधर डेटम की पुनर्व्याख्या'' पर पहले चरण की राष्ट्रीय महत्व की परियोजना का कार्य पूरा हो चुका है और दूसरे चरण का कार्य अर्थात् लेवल नेट के सघनीकरण का कार्य किया जाना है। सघनीकरण की योजना का कार्य पूरा कर लिया गया है । जैसा कि सघनीकरण का कार्य विभिन्न भू–स्थानिक आंकड़ा केन्द्र द्वारा उनके दायित्व क्षेत्र में शुरू किया जाएगा तथापि पुराना विद्यमान डाटा विभिन्न भू–स्थानिक आंकड़ा केन्द्रों को उनके दायित्व क्षेत्र के अनुसार सघनीकरण कार्य आरम्भ करने के लिए सौंपा गया है । रिपोर्टाधीन अवधि के माह के दौरान 49 रेखीय कि॰मी॰ (आगे) तथा 353 रेखीय कि॰मी॰ (पीछे) उच्च परिशुद्ध तलेक्षण का कार्य पूरा कर लिया गया है । ''भारतीय उर्ध्वाधर डेटम की पुनर्व्याख्या'' परियोजना के अंतर्गत सम्पूर्ण लेवल नेट के भूविभव संख्याओं के समायोजन और परिकलन हेतु प्रत्येक तलेक्षण रेखा की गणना के लिए मानक त्रुटि, संभाव्य त्रुटि इत्यादि प्रेक्षित किया गया ।

4. आपदा प्रबंधन के लिए महासागर और द्वीपों के भारतीय ज्वार–भाटा गेज नेटवर्क का आधुनिकीकरण और विस्तारण ।

भारतीय सर्वेक्षण विभाग संपूर्ण भारतीय तट और द्वीपों के साथ स्थापित ज्वारीय प्रयोगशालाओं की सीरीज का रख–रखाव करता है। ज्वारीय प्रागुक्तियों के लिए नियमित आधार पर ज्वारीय प्रेक्षण किया जा रहे हैं। सुनामी चेतावनी पद्धति और आपदा प्रबंधन के लिए ''भारतीय तट और द्वीपों के साथ ज्वार–भाटा गेज नेटवर्क के आधुनिकरण और विस्तारण'' के क्रियान्वयन का कार्य जारी है। स्टार नेटवर्क के अंतर्गत प्रस्तावित 36 पत्तनों में से 30 पत्तनों के आधुनिकीकरण का कार्य पूरा हो चुका है । विभिन्न पत्तनों से राष्ट्रीय डाटा सेंटर (एन॰टीडी॰सी॰) देहरादून तथा साथ ही साथ भारतीय तटरेखा और द्वीप के साथ विभिन्न क्षेत्रों का वी॰सेट द्वारा रियल टाइम जी॰पी॰एस॰ और टाइडल डाटा ट्रांसमिशन का कार्य जारी है । सुदूर क्षेत्रों से प्राप्त ज्वारीय डाटा का विश्लेषण रियल टाइम में राष्ट्रीय ज्वारीय डाटा सेंटर, देहरादून में किया जा रहा है । इस डाटा को राष्ट्रीय सुनामी सूचना केन्द्र, आई॰एन॰सी॰ओ॰आई॰एस॰, हैदराबाद के साथ भी साझा किया जा रहा है ।

(5) जी.सी.पी. लाईब्रेरी

परियोजना में पूरे देश के लिए भू–केन्द्रिक निर्देशांक प्रणाली में परिशुद्ध और सुसंगत भू–नियंत्रण बिन्दु (जी. पी.एस.) लाईब्रेरी को स्थापित करने पर ध्यान दिया जा रहा है । परियोजना तीन चरणों में पूरी होगी, प्रथम चरण में 250 से 300 किलोमीटर तक के अन्तराल पर पूरे देश में प्रथम क्रम के 294 नियंत्रण बिन्दुओं (जीसीपी स्टेशन) के संस्थापन का कार्य पहले ही पूरा किया जा चुका है ।

चरण– II में 2230 जी॰पी॰एस॰ स्टेशनों के लिए 25 से 30 किलोमीटर अंतराल पर प्रथम आर्डर नेटवर्क के सघनीकरण का कार्य अब तक पूरा हो चुका है । जी॰पी॰एस॰ लाइब्रेरी चरण–II के रूप में एकत्र जी0पी0एस॰ डाटा का प्रोसेसिंग कार्य प्रगति पर है ।

(6) कोयला खनन परियोजना

मैदानी क्षेत्र में अंकीय फोटोग्राममितीय तकनीक पर आधारित जीआईएस अंकीय प्रारूप (फोरमेट) में उच्च परिशुद्ध हवाई फोटोग्राफी और उचित भू–सत्यापन का प्रयोग करते हुए 2 मीटर मैदानी क्षेत्र में और 3–5 मीटर पहाड़ी क्षेत्र के मामले में समोच्च अन्तराल सहित 1:5,000 पैमाने पर मुख्य भारतीय कोयला क्षेत्रों के अद्यतन स्थलाकृतिक मानचित्र तैयार किए गए । इस परियोजना में छत्तीसगढ़, झारखण्ड, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र एवं गोवा, मेघालय एवं अरुणाचल प्रदेश, ओडीसा और पश्चिम बंगाल एवं सिक्किम भू–स्थानिक आंकड़ा केन्द्र शामिल हैं ।

प्रथम चरण के 10 प्रमुख भारतीय कोयला क्षेत्रों के आधुनिक स्थलाकृतिक मानचित्र बनाने का काम अन्तिम चरण में है और कुछ मानचित्रों की आपूर्ति मांगकर्ता को पहले ही की जा चुकी है। 17 भारतीय कोयला क्षेत्रों की हवाई फोटोग्राफी पूरी की जा चुकी है और द्वितीय नियंत्रण के लिए फील्ड कार्य प्रगति पर है ।

(7) उत्तराखण्ड में सामीप्य मानचित्र (एमएएनयू) परियोजना

एमएएनयू परियोजना में शामिल अन्य एजेसियों द्वारा वृहत् एवं सूक्ष्म (मैक्रो और माइक्रो) स्तर योजना और आपदा के पश्चात वैज्ञानिक अनुप्रयोग के लिए उत्तराखण्ड के आपदा प्रभावित क्षेत्र का 1:10K पैमाने पर डीईएम (डिजीटल एलीवेशन मॉडल) और मानचित्रण तैयार करना ।

परियोजना के अंतर्गत भारतीय सर्वेक्षण विभाग एयर–बोर्न लिडार और हवाई फोटोग्राममितीय सर्वेक्षण की आधुनिक तकनीकों का प्रयोग करते हुए उत्तराखण्ड में 8000 वर्ग किमी0 में फैले ''चार धाम और पिंडर घाटी क्षेत्र'' के आपदा प्रभावित क्षेत्रों के मानचित्रण का कार्य कर रहा है।

(8) भारतीय वायु सेना के लिए विशेष सर्वेक्षण

भारतीय सर्वेक्षण विभाग भारतीय वायु सेना की आवश्यकतानुसार विभिन्न प्रकार के मानचित्र तैयार कर उनकी आपूर्ति करता है ।

वर्ष के दौरान भारतीय सर्वेक्षण विभाग ने भारतीय वायुसेना के लिए निम्नलिखित मानचित्र और डाटा तैयार किए हैं :

(i) आईएएफ (ओजीएम) –20 शीटें, आईएएफ (पीजीएम)–31 शीटें आईएएफ–ओएलएम (नया संस्करण) – 01 शीट तथा लैंड अप्रोच चार्ट (एलएसी) 8 पार्ट्स।

(ii) 1:50K पैमाने पर भारतीय वायु सेना के लिए एआरपी से 30 एनएम के बाधा सूचक सर्वेक्षण (आबस्ट्रैक्शन सर्वे) सहित 17 लैंडिंग चार्टों का सत्यापन ।

(iii) एएमएसएल ऊंचाई, निर्देशांक और 3 साइट परियोजना की दूरी की आपूर्ति।

नियंत्रण बिन्दु उपलब्ध कराने के लिए अहमदाबाद हवाई अड्डे पर जीपीएस प्रेक्षण ।

7.6 विशेष सर्वेक्षण परियोजना

वर्ष 2014–2015 के दौरान निम्नलिखित परियोजनाओं पर सर्वेक्षण कार्य जारी रहा/किया गया :–

भारत में विशेष सर्वेक्षण परियोजनाएं		
क्रम सं.	**राज्य का नाम**	**विशेष सर्वेक्षण का नाम**
1.	आंध्र प्रदेश	इन्दिरा सागर पोलावरम परियोजना
2.	–तदैव–	भारत इलैक्ट्रानिक्स लिमिटेड, मछलीपट्टनम
3.	दिल्ली	भारतीय वायुसेना के लिए विशेष वैमानिक सर्वेक्षण, ग्वालियर स्टेशन
4.	–तदैव–	कुतुब मीनार
5.	मणिपुर	लोकतक डाउन स्ट्रीम जल विद्युत परियोजना
6.	ओडिसा	हीराकुड बांध परियोजना
7.	पंजाब	भारत–पाक सीमा कार्य
8.	–तदैव–	हरियाणा उत्तर प्रदेश सीमा सर्वेक्षण
9.	–तदैव–	गंगुवाल चण्डीगढ़ तलेक्षण परियोजना
10	राजस्थान	राजस्थान पुलिस स्टेशन परियोजना
11	उत्तर प्रदेश	रिहन्द बांध परियोजना
12	उत्तराखण्ड	डिजायर जल विद्युत परियोजना
13	–तदैव–	लखवाड़ व्यासी जल विद्युत परियोजना
14	–तदैव–	विष्णुगाड पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना
15	पश्चिम बंगाल	बंदु (पुरुलिया) पंप भंडारण परियोजना
भारत से बाहर विशेष सर्वेक्षण परियोजना		
	भूटान	पुनातसांगचू जल विद्युत परियोजना

भूटान में पुनात सांगचू जल विद्युत परियोजना पर सुरंग संरेखण ।

8. मुद्रण की रिपोर्ट

रिपोर्टाधीन अवधि में निम्नलिखित मानचित्र/विशेष उत्पाद मुद्रित किए गए :–

मानचित्रों के मुद्रण की स्थिति		
क्रम सं.	**जॉब का नाम**	**मानचित्रों की संख्या**
1.	1:50,000 (अंतिम एवं पुर्नमुद्रित)	128
2.	आईएएफ (पीजीएम, ओजीएम, ओ0एल0एम0 एलएसी आदि)	33
3.	राज्य, गाइड, भौगोलिक, रेलवे एवं टूरिस्ट मानचित्र आदि	16
4.	विविध मानचित्र/सूचकांक/चार्ट आदि	100

अन्य प्रकाशनों/उत्पादों के मुद्रण की स्थिति		
क्रम सं.	**प्रकाशन का नाम**	**स्थिति**
1.	हुगली नदी ज्वार–भाटा सारणी, 2015	मुद्रित किए गए
2.	भारतीय ज्वार भाटा सारणी, 2015	मुद्रित किए गए
3.	वार्षिक चुम्बकीय बुलेटिन, 2012	कार्य पूर्ण हो चुका है ।
4.	वार्षिक चुम्बकीय बुलेटिन, 2013	कार्य प्रगति पर है ।
5.	चुम्बकीय दिक्पात चार्ट कालावधि 2015.0	कार्य प्रगति पर है ।

9. सहयोगात्मक वैज्ञानिक क्रियाकलाप

ज्योडेसी और भू–भौतिकी के क्षेत्र में निम्नलिखित सहयोगात्मक क्रियाकलाप जारी रहे :–

(1) आईआईजी, मुम्बई को नियमित रुप से चुंबकीय डाटा की आपूर्ति की गई और आवश्यकता पड़ने पर विश्व डाटा केन्द्र को भी इसकी आपूर्ति की गई ।

(2) अंतर्राष्ट्रीय ज्योडीय समुदाय द्वारा विभिन्न वैज्ञानिक अध्ययनों के लिए इंटरनेशनल परमानेंट सर्विस फार मीन सी लेवल (आईपीएसएमएसएल) यूनाइटेड किंगडम को 18 भारतीय पत्तनों के माध्य समुद्र–तल डाटा की आपूर्ति ।

10. अनुसंधान एवं विकास

रिपोर्टाधीन अवधि में ज्योडीय एवं अनुसंधान शाखा के अनुसंधान और विकासात्मक क्रियाकलापों में निम्नलिखित की ओर मुख्य रुप से ध्यान दिया गया :–

(1) भूपर्पटी विरुपण और विवर्तनिक संचलन अध्ययनों के लिए अंटार्कटिका का सुनामी से पहले और उसके बाद के जीपीएस डाटा का संसाधन/विश्लेषण ।

(2) स्थायी जीपीएस स्टेशनों से प्राप्त डाटा का बैकअप और आर्किवल ।

(3) इंटरनेट द्वारा वेबसाइट से आईजीएस स्टेशनों के परिशुद्ध पंचांग को डाउनलोड करना ।

(4) भारत में द्वितीय लेवल नेट का समायोजन (डाटा संकलन) ।

(5) वर्ष 2013 और 2014 के लिए डाटा संसाधन/विश्लेषण और ज्वारीय प्रागुक्तियां ।

उपर्युक्त कार्यक्रमों के परिणामस्वरुप निम्नलिखित क्रियाकलाप प्रारंभ/पूर्ण किये गये ।

(i) एवरेस्ट गोलाभ और डब्ल्यूजीएस–84 के बीच ट्रांसफार्मेशन पैरामीटर प्राप्त करने के लिए स्थिर सापेक्ष मोड में ग्लोबल पोजिशिनिंग सिस्टम द्वारा डाटा अर्जन ।

(ii) अन्तर्राष्ट्रीय ज्योडायनामिक्स परियोजनाओं के लिए ज्योडीय और भू–भौतिकीय अध्ययनों के अतिरिक्त भ्रंश/क्षेप जोन के आर–पार समान रुप से भू–पर्पटी संचलन अध्ययनों के लिए अर्जित गुरुत्व डाटा की पुनर्संरचना की जा रही है और फार्मेट बनाया जा रहा है जिससे कि (पुनः डिजाइन किए गए गणितीय मॉडल की) आवश्यकताओं की पूर्ति हो सके ।

(iii) समुद्र तल अध्ययन, हिमनद विज्ञान, भूकम्प प्रागुक्ति आदि में अनुसंधान एवं विकास कार्यक्रम ।

(iv) अंटार्कटिका के 34वें भारतीय वैज्ञानिक अभियान के अंतर्गत भारतीय सर्वेक्षण विभाग से चार अधिकारियों की दो टीमों ने अंटार्कटिका का दौरा किया । फिल्ड कार्य प्रगति पर है ।

11. सम्मेलन / सेमिनार/बैठकें

(1) मेजर जनरल अनिल कुमार, अपर महासर्वेक्षक, म॰स॰का॰ ने दिनांक 04.04.2014 को रक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली में डिफेंस सेक्टर के बार्डर रोड डिजाइनिंग और निर्माण में विज्ञान–निर्णय सहयोग पद्धति उपलब्ध कराने के लिए संकल्पना प्रस्ताव विचार विमर्श की बैठक में भाग लिया ।

(2) श्री एम॰सी॰ गौड, अधीक्षक सर्वेक्षक, म॰स॰का॰ ने दिनांक 17.04.2014 को आंध्र प्रदेश–कर्नाटक सीमा मुद्दे के संबंध में अपर सरकारी काउन्सेल सुप्रीम कोर्ट के साथ विचार विमर्श किया ।

(3) श्री पंकज मिश्रा, निदेशक (वर्तमान कार्य भार) ने दिनांक 28.04.2014 को जिनेवा में होने वाली प्रदर्शनी को अन्तिम रूप देने के लिए संयुक्त सचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली में बैठक में भाग लिया ।

(4) श्रीमती बिन्दु मंघाट, उप निदेशक (वर्तमान कार्यभार) डी॰एस॰ए॰ एंड डी॰जी॰डी॰सी॰ ने दिनांक 16.04.2014 को सीवा भवन, नई दिल्ली में बेसिन वाइज रिएसेसमेंट ऑफ हाइड्रोइलैक्ट्रिक पोटेंशियल की मॉनीटरिंग कमेटी की बैठक में भाग लिया ।

(5) श्री पंकज मिश्रा, निदेशक (वर्तमान कार्यभार) ने 19 से 20 मई, 2014 तक भौगोलिक सूचना पद्धति और सुदूर संवेदन निदेशालय, हैदराबाद में एच॰डब्ल्यू/एस डब्ल्यू एप्लीकेशन और वर्तमान पद्धति में अपेक्षित सुधारात्मक भविष्य की आवश्यकताओं की संस्तुति के संबंध में एन एस डी आई के लिए एस ओ आई नोड की वर्तमान स्थिति के विश्लेषण हेतु 'बोर्ड मीटिंग' में भाग लिया ।

(6) मेजर जनरल अनिल कुमार, अपर महासर्वेक्षक और श्री डी॰एन॰ पाठक, अधीक्षक सर्वेक्षक, म॰स॰का॰ ने दिनांक 23.05.2014 को नई दिल्ली में 14वीं वित्त आयोग की बैठक में भाग लिया।

(7) मेजर जनरल अनिल कुमार, अपर महासर्वेक्षक, म॰स॰का॰ ने दिनांक 23.06.2014 को जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में एम॰ए॰एन॰यू॰ परियोजना की बैठक में भाग लिया।

(8) श्रीमती बिन्दु मंघाट, उप निदेशक (वर्तमान कार्यभार) डी॰एस॰ए॰ और डी॰जी॰डी॰सी॰ ने दिनांक 25 जून, 2014 को अमलतास हॉल, नई दिल्ली में एन॰एम॰सी॰जी॰ द्वारा आयोजित प्रोवन टेक्नोलाजी फोर मैपिंग ऑफ रिवर गंगा फॉर रिमेडिएशन की बैठक में भाग लिया ।

(9) श्री पंकज मिश्रा, निदेशक (वर्तमान कार्यभार) ने दिनांक 16 से 20 जून, 2014 तक एन॰एस॰डी॰आई॰ नई दिल्ली में इंडिया जियो पोर्टल पर डब्लयू॰एम॰एस॰ के अनुसार 1:50,000 पैमाने पर ओ॰एस॰एम॰ मानचित्र के संबंध में भारतीय सर्वेक्षण विभाग की कमेटी मीटिंग में भाग लिया ।

(10) श्रीमती जसपाल कौर प्रद्योत, निदेशक, प्रशा॰ एव वित और श्री एम॰सी॰ गौड़, अधीक्षक सर्वेक्षक, म॰स॰का॰ ने दिनांक 09.07.2014 से 10.07.2014 तक होटल इरोज (हिल्टन), नई दिल्ली में भूसर्वेक्षण और मानचित्रण पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया ।

(11) श्री पंकज मिश्रा, निदेशक (वर्तमान कार्यभार) और श्री ए॰के॰ सिंह, अधीक्षक सर्वेक्षक ने दिनांक 9 से 10 जुलाई, 2014 तक ''भू सर्वेक्षण और मानचित्रण'' पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया ।

(12) श्री श्रीधर साहू, अधीक्षक सर्वेक्षक और श्री वी॰के॰ नायडू, अधिकारी सर्वेक्षक ने दिनांक 16.07.2014 से 18.07.2014 तक भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलूरु में डब्ल्यू एम एस/डब्ल्यू एफ एस पर आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया ।

(13) डा॰ एस॰ के॰ सिंह, निदेशक, त्रिपुरा मणिपुर और मिजोरम जी॰डी॰सी॰ ने सिलचर में आयोजित त्रिपुरा–मिजोरम सीमा के फुलडेंगसी क्षेत्र में अन्तरराज्यीय सीमा रेखा निर्धारण के संबंध में मिजोरम सरकार और त्रिपुरा सरकार के अधिकारियों के साथ संयुक्त बैठक में भाग लिया ।

(14) श्री यू॰एस॰ प्रसाद, अधीक्षक सर्वेक्षक, अन्तर्राष्ट्रीय सीमा निदेशालय, म॰स॰का॰ ने दिनांक 13.08.2014 को एम॰एच॰ए॰ नई दिल्ली में आयोजित झारखण्ड और पश्चिम बंगाल के मध्य अर्न्तराज्यीय सीमा के सीमांकन से संबंधित बैठक में भाग लिया ।

(15) मेजर जनरल अनिल कुमार, अपर महासर्वेक्षक, म॰स॰का॰ ने दिनांक 08.09.2014 को निर्माण भवन, नई दिल्ली में आयोजित एन॰एल॰आर॰एम॰पी॰ के अंतर्गत प्रोजेक्ट सेंक्शनिंग एंड मानीटरिंग कमेटी की बैठक में भाग लिया

(16) श्रीमती बिन्दु मंघाट, उप निदेशक (वर्तमान कार्यभार) डी॰एस॰ए॰ और डी॰जी॰डी॰सी॰ ने दिनांक 11.09.2014 को बेंगलूरु में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस स्टडीज द्वारा ''लीडरशिप एंड करिअर डवलपमेंट फार वूमैन साइंटिस्ट एंड टेक्नोलोजिस्ट'' विषय पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया ।

(17) श्री एस॰ वी॰ सिंह, निदेशक, भौगोलिक सूचना पद्धति और सुदूर संवेदन संस्थान, हैदराबाद ने दिनांक 17.09.2014 को एनएसडीआई, नई दिल्ली में आयोजित एनएसडीआई नोडल आफिसर्स की बैठक में भाग लिया।

(18) डॉ॰ स्वर्ण सुब्बा राव, भारत के महासर्वेक्षक, श्री चन्द्र पाल, निदेशक और श्री यू॰एस॰ प्रसाद, अधीक्षक सर्वेक्षक, अंतर्राष्ट्रीय सीमा निदेशालय ने दिनांक 17.09.2014 से 19.09.2014 तक काठमांडू, नेपाल में आयोजित भारत–नेपाल सीमा बैठक (बी डब्ल्यू जी) की पहली बैठक में भाग लिया ।

(19) श्रीमती बिंदु मंघाट, अधीक्षक सर्वेक्षक, म॰स॰का॰ ने दिनांक 08.10.2014 को कन्वेंशन सेंटर, अशोका होटल, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली में आयोजित ''नमामि गंगे'' परियोजना के संबंध में बैठक/विचार विमर्श में भाग लिया।

(20) श्रीमती के॰ निर्मला, आई॰ए॰एस॰ परियोजना निदेशक, एपीएमडीपी और डॉ॰ पी॰के॰ मोहन्ती, आई॰ए॰एस॰ एक्जिक्यूटिव चेयरमैन, एनआईयूएम के साथ दिनांक 29.10.2014 को आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम ऑफ टेक्निकल स्टाफ ऑफ टाउन एंड कन्ट्री प्लानिंग (डीटीएंडसीपी) से संबंधित बैठक में भाग लिया ।

(21) श्री डी॰ साहू, अधीक्षक सर्वेक्षक, टी एम एम जेड जी डी सी ने दिनांक 15.10.2014 को आईजोल में आयोजित रीजनल कमेटी फॉर सांईटिफिक एसेसमेंट फॉर फलड प्रोन एरिया इन मिजोरम की बैठक में भाग लिया ।

(22) मेजर जनरल अनिल कुमार, अपर महासर्वेक्षक, म॰स॰का॰ ने दिनांक 17.10.2014 को सीबीआई, नई दिल्ली में ''गूगल मैपथान'' मुद्दे पर आयोजित बैठक में भाग लिया ।

(23) श्री डी॰एन॰पाठक, अधीक्षक सर्वेक्षक, म॰स॰का॰ ने दिनांक 20.10.2014 को नई दिल्ली में एम॰ए॰एन॰यू॰ परियोजना की बैठक में भाग लिया ।

(24) श्री पंकज मिश्रा, निदेशक (वर्तमान कार्यभार) पंजाब, हरियाणा और चण्डीगढ भू–स्थानिक आंकड़ा केन्द्र ने दिनांक 20.11.2014 को रॉयल प्लाजा, नई दिल्ली में ''मैपिंग पॉलिसी एंड रोड अहैड'' पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया ।

(25) मेजर जनरल अनिल कुमार, अपर महासर्वेक्षक, म॰स॰का॰ ने दिनांक 27.11.2014 को नई दिल्ली में राष्ट्रीय मानचित्र के लिए जियोस्पेशियल टेक्नोलाजी पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया ।

(26) इंडियन नेशनल कार्टोग्राफिक एसोसिएशन द्वारा ''कार्टोग्राफी – एक्सप्लोरिंग न्यू डायमेंशन्स'' विषय पर हैदराबाद में दिनांक 16.12.2014 से 18.12.2014 तक 34वीं इंका इन्टरनेशनल कांग्रेस आयोजित की गई । डॉ॰ स्वर्ण सुब्बा राव, भारत के महासर्वेक्षक ने भारतीय सर्वेक्षण विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ इंका इन्टरनेशनल कांग्रेस में भाग लिया ।

(27) डॉ॰ स्वर्ण सुब्बा राव, भारत के महासर्वेक्षक ने दिनांक 18.12.2014 से 19.12.2014 तक विशाखापटनम में प्रोफेशनल इंजीनियर्स चैलेंजेज इन डिजास्टर मैनेजमेंट 2014 पर आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया ।

(28) डॉ॰ स्वर्ण सुब्बा राव, भारत के महासर्वेक्षक ने दिनांक 12.01.2015 को भारत–म्यांमार सीमा के सीमाकंन के संबंध में एमईए, नई दिल्ली में आयोजित बैठक में भाग लिया ।

(29) श्री डी॰एन॰ पाठक, अधीक्षक सर्वेक्षक, म॰स॰का॰ ने दिनांक 21.01.2015 को नई दिल्ली में नेशनल मिशन टू क्लीन गंगा विषय पर आयोजित बैठक में भाग लिया ।

(30) डॉ॰ स्वर्ण सुब्बा राव, भारत के महासर्वेक्षक ने दिनांक 23.01.2015 को चैन्ने में तमिलनाडु एडिशनल सॉलिसिटर जनरल के साथ बैठक में भाग लिया ।

(31) श्री टी॰ संजीव कुमार, निदेशक और श्री महेश आर अधीक्षक सर्वेक्षक ने दिनांक 29.01.2015 को कवरत्ती में यूटी लक्षद्वीप में बाढ प्रभावित क्षेत्र के वैज्ञानिक निर्धारण की रीजनल कमेटी की बैठक में भाग लिया ।

(32) डॉ॰ स्वर्ण सुब्बा राव, भारत के महासर्वेक्षक ने दिनांक 02.02.2015 को कैबिनेट सचिवालय, नई दिल्ली में ''नेशनल कमेटी ऑन स्ट्रैंथनिंग मैरीटाइम एंड कोस्टल सिक्योरिटी'' की बैठक में भाग लिया ।

(33) श्री डी॰एन॰ पाठक, अधीक्षक सर्वेक्षक, म॰स॰का॰ ने दिनांक 05.02.2015 से 06.02.2015 तक लिडार सर्वे ऑफ राप्ती रिवर बेसिन के संबंध में चीफ इंजीनियर गंडक (गोरखपुर) में आयोजित बैठक में भाग लिया ।

(34) मेजर जनरल अनिल कुमार, अपर महासर्वेक्षक, म॰स॰का॰ और श्री आर॰ के॰ मीणा, निदेशक, गुजरात, दमन दीव भू–स्थानिक आंकडा केन्द्र ने दिनांक 10.02.2015 से 12.02.2015 तक इंटर नेशनल कन्वेंशन सेंटर, हैदराबाद में आयोजित ''इंडिया जियोस्पेशियल फोरम 2015'' में भाग लिया तथा ''लार्ज स्केल टोपोग्राफिकल डाटा बेस फार सस्टेनेबल प्लानिंग एंड डिजाइन ऑफ कोल माइनिंग'' विषय पर लेख प्रस्तुत किया ।

(35) मेजर जनरल अनिल कुमार, अपर महासर्वेक्षक, म॰स॰का॰ ने दिनांक 23.02.2015 को उप सचिव, एसएमपी, डीएसटी, नई दिल्ली के साथ विचार–विमर्श किया ।

(36) निदेशक, जम्मू एंड कश्मीर भू–स्थानिक आंकड़ा केन्द्र ने दिनांक 9 और 10 मार्च, 2015 को नई दिल्ली में नेशनल क्राइसिस मैनेजमेंट कमेटी की बैठक में भाग लिया ।

(37) दिनांक 16.12.2014 से 18.12.2014 के दौरान जोधपुर में इंडियन नेशनल कार्टोग्राफिक एसोसिएशन द्वारा 34वीं इंका इंटरनेशनल कांग्रेस का आयोजन किया गया तथा राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केन्द्र (एनआरएससी), इसरो तथा सैंट्रल एरिड जोन अनुसंधान संस्थान द्वारा इसकी मेजबानी की गई । मेजर जनरल बी॰डी॰ शर्मा, अपर महासर्वेक्षक और श्री बी॰ त्रिपाठी, अधीक्षक सर्वेक्षक, झारखण्ड जी॰डी॰सी॰ द्वारा सम्मेलन में ''लार्ज स्केल मैपिंग फॉर रांची टाउन फॉर डिजास्टर मैनेजमेंट प्लानिंग'' विषय पर लेख प्रस्तुत किया गया । सम्मेलन में भू–स्थानिक उत्पाद, मानचित्र, चार्ट, ग्लोब और मॉडल आदि प्रस्तुत किए गए ।

(38) ''कनवरसिंग जियो स्पेशीयल ट्रेड एंड प्रैक्टिसिस'' की विषय वस्तु के साथ दिनांक 10.02.2015 से 12.02.2015 तक हैदराबाद में भू–स्थानिक सूचना प्रौद्योगिकी और अनुप्रयोग पर ''इंडिया जियोस्पेशियल फोरम 2015 के 16वें वार्षिक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन और प्रदर्शनी का आयोजन किया गया । मेजर जनरल अनिल कुमार, अपर महासर्वेक्षक और श्रीमती जसपाल कौर प्रद्योत, निदेशक, प्रशा॰ एवं वित, म॰स॰का॰ ने भारतीय सर्वेक्षण विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सम्मेलन मे भाग लिया ।

12. तकनीकी लेख

(1) नेशनल कार्टोग्राफी एसोसिएशन द्वारा हैदराबाद में आयोजित 34वीं इंका अन्तरराष्ट्रीय कांग्रेस, 2013 में श्री यू॰एन॰ मिश्रा, निदेशक, ज्यो॰ एवं अनुसंधान शाखा ने ''इम्पोर्टेंस ऑफ जियोमैग्नेटिक सर्वे इन सर्वे ऑफ इंडिया'' विषय पर लेख प्रस्तुत किया । डॉ॰ एम॰ स्टालिन, निदेशक, छत्तीसगढ भू–स्थानिक आंकड़ा केन्द्र ने ''एक्यूरेसी एनालिसिस आफ अर्बन ग्रोथ मॉडल ऑफ'' हैदराबाद सिटी बाई रिमोट सेंसिंग एंड जीआईएस विषय पर तकनीकी लेख प्रस्तुत किया और मेजर जनरल बी॰डी॰ शर्मा, अपर महासर्वेक्षक ने ''लार्ज स्केल मैपिंग ऑफ रांची टाउन फार डिजास्टर मैनेजमेंट प्लानिंग'' विषय पर तकनीकी लेख प्रस्तुत किया ।

(2) डॉ॰ एम॰ स्टालिन, निदेशक, छत्तीसगढ़ भू–स्थानिक आंकड़ा केन्द्र ने ''साइट सूटेबिलिटी एनालिसिस फार सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट यूजिंग जी आई एस एंड रिमोट सेंसिंग टेक्नीक्स'' विषय पर लेख प्रस्तुत किया।

(3) डॉ॰ एम॰ स्टालिन, निदेशक, छत्तीसगढ़ भू–स्थानिक आंकड़ा केन्द्र ने अंतरराष्ट्रीय जर्नल ऑफ इनोवेटिव एंड एप्लाइड स्टडीज में ''प्रिडिक्शन ऑफ अर्बन ग्रोथ यूजिंग स्पेशियल मॉडलिंग रिमोट सेंसिंग एंड जी आई एस'' विषय पर लेख प्रस्तुत किया ।

13. विदेश भ्रमण/अध्ययन दौरे / प्रतिनियुक्ति

(1) डॉ॰ स्वर्ण सुब्बा राव, भारत के महासर्वेक्षक और मेजर जनरल एम॰ मोहन, अपर महासर्वेक्षक, दक्षिणी क्षेत्र के नेतृत्व में भारतीय सर्वेक्षण विभाग की टीम ने दिनांक 05.05.2014 से 09.05.2014 तक ''जियो स्पेशियल वर्ल्ड फोरम 2014'' में भाग लेने के लिए जिनेवा, स्विट्जरलैंड का दौरा किया जिसे जियोस्पेशियल मीडिया और कम्यूनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नोएडा द्वारा आयोजित किया गया था जिसमें भारतीय सर्वेक्षण विभाग जियोस्पेशियल टेक्नोलाजी के काम में लगे अन्य संबंद्ध संगठनों को इसमें भाग लेने और ''इंडियन पवेलियन'' में स्टाल लगाने के लिए आंमत्रित किया गया था ।

जियोस्पेशियल वर्ल्ड फोरम 2014 के अवसर पर जिनेवा स्विट्जरलैंड में डॉ॰ स्वर्ण सुब्बा राव, भारत के महासर्वेक्षक।

(2) मेजर जनरल अनिल कुमार, अपर महासर्वेक्षक, म॰स॰का॰ और श्री एस॰के॰ सिन्हा, निदेशक, तमिलनाडु और अंदमान और निकोबार भू–स्थानिक आंकड़ा केन्द्र ने दिनांक 15.11.2014 से 17.11.2014 तक 2014 जी–20 आस्ट्रेलिया समिट (जी–20 ग्लोब फाउन्डेशन) में भाग लिया तथा ब्रिसबेन, आस्ट्रेलिया में क्वीन्सलैंड गवर्नमेंट के साथ बैठक में भी भाग लिया ।

(3) एक अधिकारी सर्वेक्षक, एक सर्वेक्षण सहायक और 7 सहयोगी स्टाफ के सर्वेक्षण दल ने दिनांक 10.12.2014 को पुनातसांगचु जल विद्युत परियोजना के लिए क्षैतिज और उर्ध्वाधर नियंत्रण उपलब्ध कराने के लिए भूटान का दौरा किया ।

(4) मेजर जनरल आर॰सी॰ पाढी, अपर महासर्वेक्षक ने दिनांक 08.02.2015 से 12.02.2015 तक चीफ नोडल आफिसर्स की संयुक्त कमेटी की दूसरी बैठक में भाग लिया ।

(5) श्री रविन्द्र कुमार, अधीक्षक सर्वेक्षक, म॰स॰का॰ ने 17 से 18 नवम्बर, 2014 तक यांगून (म्यांमार) में भारत और म्यांमार के मध्य 19वीं नेशनल लेवल मीटिंग में भाग लिया ।

14. भारतीय सर्वेक्षण विभाग के कार्यालयों में <u>दौरा/भ्रमण</u> :

महासर्वेक्षक कार्यालय, देहरादून के दौरे के अवसर पर प्रोफेसर आशुतोष शर्मा, सचिव, भारत सरकार ।

(1) उत्तरी मुद्रण वर्ग, देहरादून

(i) हॉर्टिकल्चर एंड फोरेस्ट्री, टिहरी गढवाल, उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय के 39 विद्यार्थियों ने भ्रमण किया।

(ii) इंजीनियरिंग कॉलेज, त्रिवेन्द्रम के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के 15 विद्यार्थियों ने भ्रमण किया ।

(iii) एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलोजी, जी॰बी॰ पन्त विश्वविद्यालय, पन्तनगर के बी॰टेक विद्यार्थियों ने भ्रमण किया।

(iv) आई आई आर एस, कालिदास रोड़, देहरादून के 40 कोर्स के प्रतिभागियों ने भ्रमण किया ।

(v) रावल टेक्नोलोजी और इंजीनियरिंग संस्थान, फरीदाबाद के 65 विद्यार्थियों ने भ्रमण किया ।

(vi) आरआईएम, देहरादून के 30 प्रशासनिक अधिकारी कैडेटों ने भ्रमण किया ।

(vii) मलौट प्रबंधन और सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, मलौट (पंजाब) के विद्यार्थियों ने भ्रमण किया ।

(2) राष्ट्रीय भू–स्थानिक आंकड़ा केन्द्र, देहरादून

(i) सेंट कबीर एकेडेमी, हरिद्वार रोड़, देहरादून के पॉच शिक्षकों के साथ 90 विद्यार्थियों ने भ्रमण किया ।

(ii) राष्ट्रीय इंडियन मिलिटरी कॉलेज, देहरादून कैंट, देहरादून के दो मास्टर ट्रेनर और 30 कैडेटों ने भ्रमण किया ।

(iii) वेहलम गर्ल्स स्कूल, 19 म्यूनिसिपल रोड़, देहरादून के तीन शिक्षक स्टाफ सदस्यों के साथ 82 विद्यार्थियों ने भ्रमण किया ।

(iv) जम्मू और कश्मीर फोरेस्ट डिपार्टमेंट के स्टाफ सदस्यों के साथ 24 प्रशिक्षुओं के समूह ने भ्रमण किया।

(3) राष्ट्रीय सर्वेक्षण म्यूजियम (ज्यो॰ एंड अनु॰ शाखा)

(i) एडवेंचर एंड एडवान्स प्रशिक्षण संस्थान, माधोवाला, डोइवाला, देहरादून के 80 अधिकारियों के साथ कमांडेंट, बी॰एस॰एफ॰ ने भ्रमण किया ।

(ii) नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिफेन्स इस्टेट्स मैनेजमेंट (एनआईडीईएम) रक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली के 11 आईडीईएस प्रोबेशनर्स ने भ्रमण किया ।

(iii) राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कालेज, राष्ट्रीय इंडियन मिलिटरी कॉलेज, देहरादून के 2 शिक्षकों सहित 50 कैडेटों ने भ्रमण किया ।

(iv) वूमैन इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी, जी॰बी॰ पन्त यूनिवर्सिटी आफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी, पन्त नगर के 3 शिक्षकों और 32 विद्यार्थियों ने भ्रमण किया ।

(v) पेट्रोलियम एंड इनर्जी स्टडीज विश्वविद्यालय, बिधौली, देहरादून के डॉ॰ यू॰ केदारेस्वरुदू, फैकल्टी एडवाइजर के साथ 60 विद्यार्थियों ने भ्रमण किया ।

(vi) यू॰के॰से॰मि॰ रिचर्ड हैरी स्कॉट, चार्टर्ड स्ट्रक्चरल इंजीनियर ने भ्रमण किया ।

(vii) महिला महाविद्यालय, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी के श्री अरुण कुमार सिंह, भूगोल विभाग सहित 44 विद्यार्थियों ने भ्रमण किया ।

(viii) श्री इन्द्रजीत सिंह, संयुक्त सचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली ने राष्ट्रीय सर्वेक्षण संग्रहालय का दौरा किया ।

(ix) नेटवर्किंग में आधुनिक ट्रेंड और प्रैक्टिस पर ज्ञान प्राप्त करने के लिए 10 विदेशी अधिकारियों सहित 16 नेवल आफिसर्स ने सर्वेक्षण म्यूजियम का दौरा किया ।

(x) भू–भौतिकी विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी के डॉ॰ एम॰के॰ श्रीवास्तव ने 48 विद्यार्थियों और तीन स्टाफ सदस्यों के साथ भ्रमण किया ।

15. सांस्कृतिक और शैक्षिक कार्यकलाप

अधिकारियों और कर्मचारियों को ''राजभाषा हिंदी'' में कार्य करने हेतु बढ़ावा देने के लिए भारतीय सर्वेक्षण विभाग के विभिन्न शहरों में स्थित कार्यालयों में 14.09.2014 से 30.09.2014 तक हिंदी पखवाड़ा मनाया गया। इस अवधि के दौरान हिंदी निबंध लेखन, टिप्पण प्रारुपण और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया

मेजर जनरल अनिल कुमार, अपर महासर्वेक्षक, म॰स॰का॰ महासर्वेक्षक कार्यालय देहरादून में हिंदी पुरस्कार वितरण समारोह का शुभारम्भ करते हुए ।

(i) राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

देश के विभिन्न स्थानों में स्थित भारतीय सर्वेक्षण विभाग के विभिन्न कार्यालयों में दिनांक 28.02.2015 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया । राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की विषयवस्तु ''राष्ट्रीय बिल्डिंग के लिए विज्ञान'' था । इस दिन खुला दिवस मनाया गया । प्रदर्शनी में पहले और अब वर्तमान में प्रयोग किए गए उपस्कर रखे गए । स्कूल के बच्चों और जन सामान्य ने भारतीय सर्वेक्षण विभाग कार्यालय के म्यूजियम का दौरा किया और विभाग द्वारा पहले और अब प्रयोग किए गए उपस्करों को देखने में बहुत रुचि दिखाई ।

(ii) स्वच्छ भारत अभियान

पूरे देश में ''स्वच्छ भारत अभियान'' के अंतर्गत अपने परिवेश को साफ और स्वच्छ रखने के लिए विभाग में दिनांक 02.10.2014 को सत्यनिष्ठा से शपथ ली गई । विभाग के समस्त स्टॉफ ने सर्वे कॉम्प्लेक्स और इसके परिवेश को साफ करने के कार्य में भाग लिया ।

16. सरकारी कामकाज में हिन्दी का प्रयोग

राजभाषा नियम, 1976 के अनुसार भारतीय सर्वेक्षण विभाग के मुख्यालय सहित 15 भू–स्थानिक आंकड़ा केन्द्र/निदेशालय/मुद्रण वर्ग 'क' क्षेत्र में, 06 भू–स्थानिक आंकड़ा केन्द्र 'ख' क्षेत्र में तथा 20 भू–स्थानिक आंकड़ा केन्द्र/प्रशिक्षण संस्थान/निदेशालय/मुद्रण वर्ग 'ग' क्षेत्र में स्थित हैं । वर्ष 2014–2015 में विभाग में हिन्दी के प्रयोग की स्थिति निम्नवत् रही :–

(1) पत्राचार

वर्ष 2014–2015 के दौरान संघ का राजकीय कार्य हिन्दी में करने के लिए विभाग के विभिन्न कार्यालयों में सघन उपाय किए गए । राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा 3 (3) के अंतर्गत 4,594 कागजात द्विभाषी जारी किए गए । हिन्दी में प्राप्त पत्रों का उत्तर हिन्दी में दिया गया । हिन्दी पत्राचार की क्षेत्रवार स्थिति निम्नवत् रही :–

क्रम सं.	'क''ख' व 'ग' क्षेत्रों में स्थित कार्यालयों द्वारा हिन्दी में किया गया पत्राचार	प्रतिशत
1	'क' क्षेत्र में स्थित कार्यालयों द्वारा हिन्दी में किया गया पत्राचार	
1.1	'क' तथा 'ख' क्षेत्रों के साथ	78.6%
1.2	'ग' क्षेत्र के साथ	76.4%
2	'ख' क्षेत्र में स्थित कार्यालयों द्वारा हिन्दी में किया गया पत्राचार	
2.1	'क' तथा 'ख' क्षेत्रों के साथ	89.8%
2.2	'ग' क्षेत्र के साथ	91.3%
3	'ग' क्षेत्र में स्थित कार्यालयों द्वारा हिन्दी में किया गया पत्राचार	
3.1	'क', 'ख' और 'ग' क्षेत्रों के साथ	40.3%

(2) प्रशिक्षण

रिपोर्टाधीन अवधि में हिन्दी शिक्षण योजना के अंतर्गत विभाग के 07 अधिकारियों/ कर्मचारियों ने हिन्दी प्रबोध, प्रवीण एवं प्राज्ञ की परीक्षा तथा 12 अवर श्रेणी लिपिकों ने हिन्दी टाइपिंग की परीक्षा उत्तीर्ण की ।

(3) हिन्दी कार्यशाला/संगोष्ठी/सम्मेलन

राजभाषा संबंधी आदेशों/नियमों तथा वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्यों की जानकारी देने के लिए महासर्वेक्षक का कार्यालय, देहरादून, केरल एवं लक्षद्वीप भू–स्थानिक आंकडा केन्द्र, तिरूवनन्तपुरम तथा आंध्र प्रदेश भू–स्थानिक आंकडा केन्द्र, हैदराबाद में हिन्दी कार्यशालाओं का आयोजन किया गया । इन कार्यशालाओं में 48 अधिकारियों/कर्मचारियों ने प्रशिक्षण लिया ।

(i) महासर्वेक्षक का कार्यालय, देहरादून के श्री धूम सिंह, सहायक निदेशक (रा.भा.) ने क्षेत्रीय राजभाषा पुरस्कार सम्मेलन, लखनऊ में भाग लिया ।

(4) प्रोत्साहन योजना

वर्ष 2014–2015 के दौरान सरकारी कामकाज मूलरूप से हिन्दी में करने के लिए टिप्पण और आलेखन, हिन्दी टाइपिंग और हिन्दी आशुलिपि की प्रोत्साहन योजनाएँ लागू रही ।

(5) निरीक्षण

वर्ष के दौरान महासर्वेक्षक का कार्यालय, देहरादून के सभी अनुभागों का हिंदी प्रयोग संबंधी निरीक्षण किया गया ।

(6) हिन्दी दिवस/पखवाड़ा/समारोह का आयोजन

(i) वर्ष के दौरान विभाग के विभिन्न कार्यालयों में सितंबर माह में हिन्दी दिवस/हिन्दी पखवाड़ा/हिन्दी समारोह मनाया गया । हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए इस अवसर पर हिन्दी विषयक विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया और विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए गए ।

(ii) भारत के महासर्वेक्षक का कार्यालय, देहरादून में हिन्दी में सर्वाधिक कार्य करने के लिए स्थापना–2 अनुभाग को चल वैजयंती प्रदान की गई । पुरस्कार वितरण समारोह के अवसर पर हिन्दी में काव्य–पाठ के अलावा हिन्दी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी आयोजित की गई ।

(7) हिन्दी में गृह–पत्रिका का प्रकाशन

रिपोर्टाधीन अवधि में निम्नलिखित कार्यालयों द्वारा हिन्दी में गृह–पत्रिका प्रकाशित की गई :–

क्रम सं॰		पत्रिका का नाम
1	महासर्वेक्षक का कार्यालय, देहरादून	सर्वेक्षण दर्पण
2	नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, देहरादून	दूनवाणी
3	उत्तरी क्षेत्र, चण्डीगढ़	जागृति
4	भारतीय सर्वे. एवं मानचित्रण संस्थान, हैदराबाद	प्रतिबिम्ब
5	आंध्र प्रदेश भू0–स्था॰आं॰के॰, हैदराबाद	कलाकल
6	केरल एवं लक्षद्वीप भू–स्था॰आं॰के॰, तिरुवनंतपुरम	संप्रेषण
7	महाराष्ट्र एवं गोवा भू–स्था॰आं॰के॰, पुणे	सह्याद्री
8	उत्तराखण्ड एवं पश्चिमी उत्तर प्रदेश भू॰–स्था॰आं॰के॰, देहरादून	प्रयास
9	मध्य प्रदेश भू–स्थानिक आंकड़ा केन्द्र, जबलपुर	धरोहर
10	दक्षिणी मुद्रण वर्ग, हैदराबाद	प्रेरणा
11	भौ.सू.प. और सु. सं. नि., हैदराबाद	पुष्पांजलि
12	गुजरात, दमन व दीव भू–स्थानिक आंकड़ा केन्द्र, गांधी नगर	नवयुग

(8) बैठकें

(i) वर्ष 2014–2015 के दौरान विभाग के 'क', 'ख' और 'ग' क्षेत्रों में स्थित लगभग सभी भू–स्थानिक आंकड़ा केन्द्रों/निदेशालयों आदि में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठकों का आयोजन किया गया । इन बैठकों में संघ का राजकीय कार्य हिन्दी में करने के लिए सरकार द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम में दिए गए लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए विचार–विमर्श किया गया ।

(ii) वर्ष के दौरान भारत के महासर्वेक्षक की अध्यक्षता में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, देहरादून की छमाही बैठकों का आयोजन किया गया ।

(iii) महासर्वेक्षक का कार्यालय, देहरादून में अध्यक्ष, नराकास एवं कुछ मुख्य केन्द्र सरकार के कार्यालय प्रमुखों के साथ सचिव, राजभाषा विभाग द्वारा समीक्षा बैठक आयोजित की गई ।

(iv) डॉ॰ स्वर्ण सुब्बा राव, भारत के महासर्वेक्षक, अध्यक्ष, नराकास, देहरादून को राजभाषा नीति के श्रेष्ठ कार्यान्वयन हेतु इन्दिरा गॉधी राजभाषा पुरस्कारों की श्रेणी के अंतर्गत भारत के राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी के कर कमलों द्वारा तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया । श्री धूम सिंह, सहायक निदेशक (रा॰भा॰) एवं सदस्य–सचिव, नराकास, देहरादून को भी राष्ट्रपति महोदय द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया ।

17. संगठन :

महासर्वेक्षक कार्यालय के पत्र संख्या डब्ल्यू–340/709–जी॰डी॰सी॰(संग्रह 7) दिनांक 15.05.2009 के अनुसार भारतीय सर्वेक्षण विभाग का संगठन चार्ट नीचे दिया गया है :–

भारतीय सर्वेक्षण विभाग का संगठन चार्ट

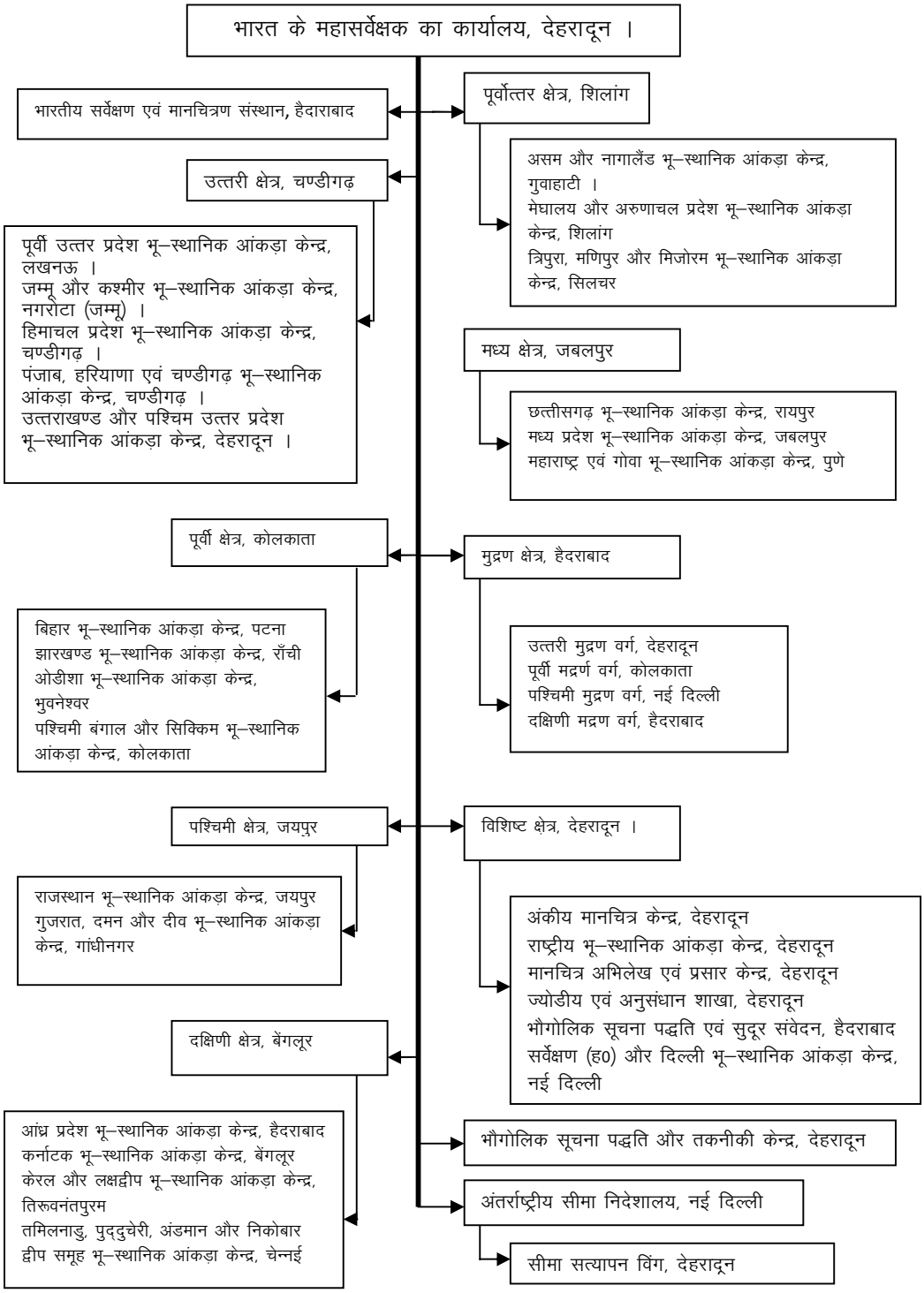

जी0डी0सी0 – भू–स्थानिक आंकड़ा केन्द्र

18. अवधि के दौरान किया गया व्ययः

भारतीय सर्वेक्षण विभाग का वास्तिवक व्यय		
	वित्त वर्ष 2014–2015	
व्यय का प्रकार (करोड में)		2014–15
	योजना	गैर योजना
बजट आंकलन	87	331.8
संस्वीकृत अनुदान	17.2	310.9
वास्तविक व्यय	17.2	306.1

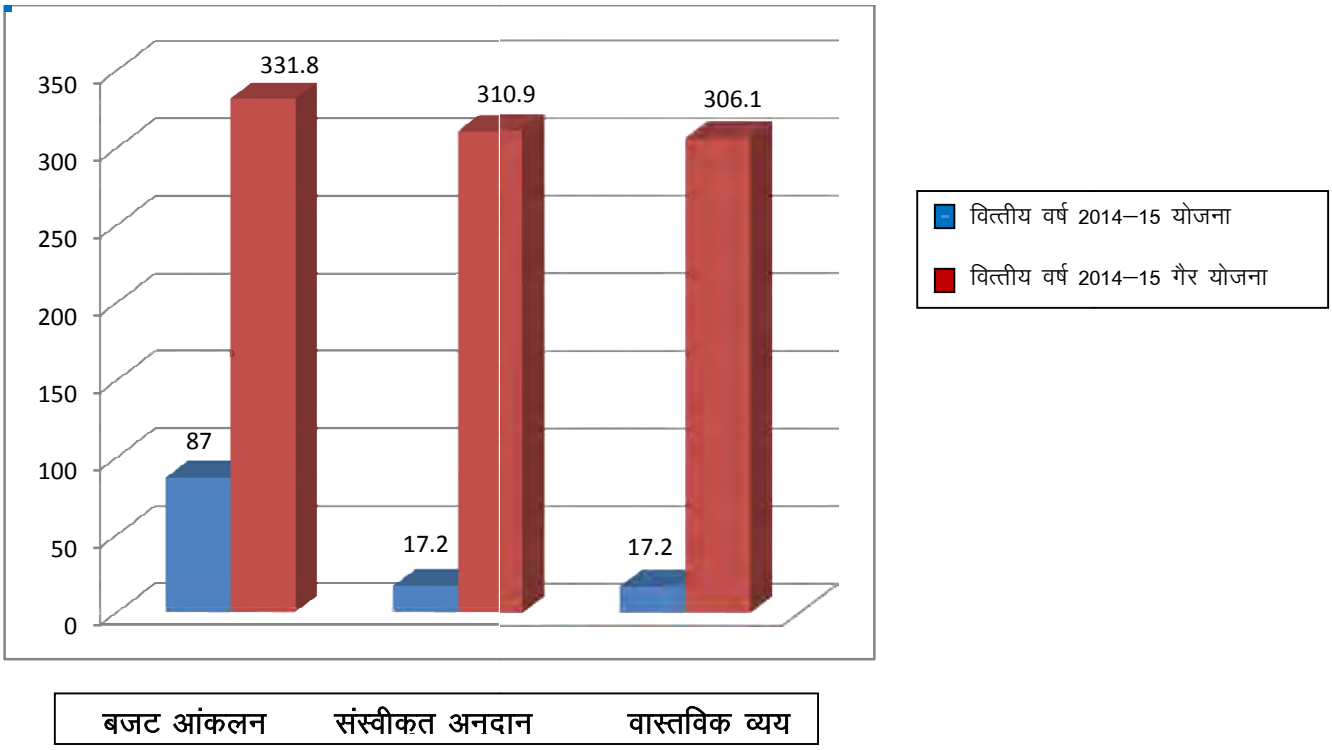

19. मानवशक्ति संसाधन

सर्विस ग्रुप	31.03.2015 को तैनात संख्या
ग्रुप 'ए'	117
ग्रुप 'बी'(राजपत्रित)	456
ग्रुप 'बी' (अराजपत्रित)	1443
ग्रुप 'सी'	884
ग्रुप 'सी (लिपिकीय स्थापना)	391
ग्रुप 'सी' (पूर्व में ग्रुप 'डी')	1,929
कुल	5220

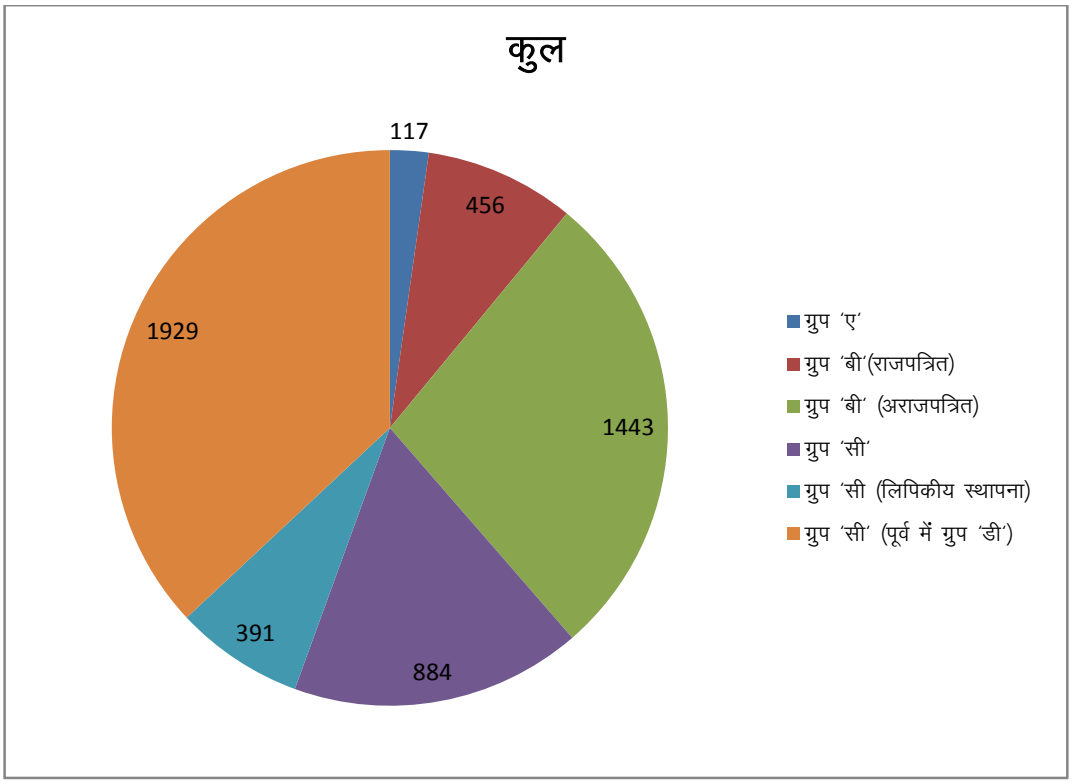

20. क्षमता निर्माण :

भारतीय सर्वेक्षण एवं मानचित्रण संस्थान (आई॰आई॰एस॰एम॰), भारतीय सर्वेक्षण के अधिकारियों और कर्मचारियों तथा अन्य सरकारी संगठनों, प्राइवेट व्यक्तियों और विभिन्न अफ्रो–एशियन देशों के छात्रों को प्रशिक्षण प्रदान करता है । भारतीय सर्वेक्षण एवं मानचित्रण संस्थान, हैदराबाद, जवाहरलाल नेहरू प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (जे॰एन॰टी॰यू॰), हैदराबाद के सहयोग से दो वर्षीय अवधि का एम॰टैक (भू–गणितीय) और एम॰एस॰सी॰ (भू–स्थानिक विज्ञान) में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम चलाता हैं

भारतीय सर्वेक्षण और मानचित्रण संस्थान, हैदराबाद द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न पाठ्यक्रमों में 44 विभागागेत्तर, 05 निजी, 06 विदेशी अभ्यार्थियों सहित 75 प्रशिक्षार्थी परिशिष्ट 'ए' में दिए गए विवरण के अनुसार प्रशिक्षण ले रहे हैं।

नियमित/निर्धारित पाठ्यक्रम

क्रम सं.	पाठ्यक्रम की संख्या	पाठ्यक्रम का नाम	विभागीय	विभागातिरिक्त	विदेशी	अन्य	कुल
1	315.14	भूसर्वेक्षण और भू सूचना पद्धति	–	03	–	–	03
2	400.93	सर्वेक्षण पर्यवेक्षक	–	–	06	–	06
3	415.04	भूकर सर्वेक्षण में टोटल स्टेशन का प्रयोग	–	02	–	–	02
4	440.23	अंकीय मानचित्रकला और जी0आई0एस0 अनुप्रयोग	–	02	–	–	02
5	465.04	जी॰आई॰एस॰ अनुप्रयोग पर मिड करिअर अग्रिम पाठ्यक्रम	01	02	–	–	03
6	480.41	अंकीय फोटोग्राममिति और सुदूर संवेदन	–	01	–	02	03
7	480.42	अंकीय फोटोग्राममिति और सुदूर संवेदन	–	04	–	01	05
8	495.21	सर्वेक्षण इंजीनियरिंग के मूलतत्व	08	–	–	–	08
9	496.04	जी॰पी॰एस॰, टोटल स्टेशन, मोबाइल मानचित्रण, जी॰आई॰एस और अंकीय फोटोग्राममिति	–	13	–	–	13
10	500.74#	सर्वेक्षण इंजीनियर	10	–	–		10
11	690.30	जी॰पी॰एस॰ और टोटल स्टेशन द्वारा नियंत्रण और विस्तृत सर्वेक्षण	–	03	–	02	05
12	690.31#	जी॰पी॰एस॰ और टोटल स्टेशन द्वारा नियंत्रण और विस्तृत सर्वेक्षण	01	14	–	–	15
		कुल	**20**	**44**	**06**	**05**	**75**
# पिछले वर्ष से जारी पाठ्यक्रम							

विशिष्ट प्रयोक्ताओं के लिए विशेष पाठ्यक्रम							
क्रम सं॰	पाठ्यक्रम की संख्या	पाठ्यक्रम का नाम	विभागीय	विभागातिरिक्त	विदेशी	अन्य	कुल
1	विशेष #	पश्चिम बंगाल सरकार के लिए ईटीएस, डीजीपीएस, अंकीयकरण और सुदूर संवेदन का प्रशिक्षण	0	11	—	—	11
2	विशेष	पावर ग्रिड के कार्मिकों के लिए आधुनिक सर्वेक्षण तकनीकी प्रशिक्षण	0	15	—	—	15
3	विशेष	भू उपयोग योजना के लिए जी॰आई॰एस॰ अनुप्रयोग का प्रशिक्षण (बाप्तला इंजीनीरिग कॉलेज)	0	—	—	20	20
4	विशेष	एन॰एम॰डी॰सी॰ लि॰ कार्मिकों के लिए जी॰पी॰एस॰ और अन्य संबंधित अनुप्रयोग	0	07	—	—	07
5	विशेष	भू–सर्वेक्षण में जी॰पी॰एस॰, टोटल स्टेशन और एचआरएसआई का प्रयोग	0	45	—	—	45
6	विशेष	नेशनल इंस्टिटयूट ऑफ डिफेन्स एन्ट(एमैनेजमेन्ट आफिसर्स (एनआईडीइएम) के लिए आधुनिक सर्वेक्षण प्रौद्योगिकी का प्रशिक्षण	0	21	—	—	21
7	विशेष	एससीसीएल के अधिकारियों के लिए जी॰पी॰एस॰	0	15	—	—	15
8	विशेष	भूसर्वेक्षण मानचित्रण एवं भूअभिलेख का रखरखाव (मणिपुर सरकार)	0	15	—	—	15
9	विशेष	इएससीआई, गाचीबावली, हैदराबाद के लिए जीपीएस पर एक दिवसीय प्रशिक्षण	0	05	—	—	05
10	विशेष	आंध्र प्रदेश और तेलंगाना राज्य के स्टाफ के लिए डीटी एवं सीपी में जीआईएस पर प्रशिक्षण	0	32	—	—	32
11	विशेष	हैदराबाद के जिला न्यायधीशों के लिए अंकीय मानचित्रण, फोटोग्राममिति और अन्य संबंधित सर्वेक्षण एवं मानचित्रण पर एक दिवसीय प्रशिक्षण	0	27	—	—	27
12	विशेष	राष्ट्रीय रक्षा संपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीईएम) के अधिकारियों के लिए आधुनिक सर्वेक्षण प्रौद्योगिकी में प्रशिक्षण	0	19	—	—	19
		कुल	**0**	**212**	**—**	**20**	**232**
# पिछले वर्ष से जारी पाठ्यक्रम							

लघु अवधि के जागरूकता पाठ्यक्रम							
क्रम संख्या	पाठ्यक्रम की संख्या	पाठ्यक्रम का नाम	विभागीय	विभागातिरिक्त	विदेशी	अन्य	कुल
1.	–	मानचित्र प्रयोक्ताओं के लिए डेटम को–आर्डिनेटस् पद्धति और मानचित्रण प्रक्षेप–अग्रवर्ती मानचित्रण प्रयोक्ताओं के लिए संकल्पना।	–	05	–	–	05
2.	–	आधुनिक सर्वेक्षण यंत्र और प्रौद्योगिकी	–	03	–	–	03
		योग –	–	08	–	–	08

शैक्षणिक पाठ्यक्रम

क्रम संख्या	पाठ्यक्रम की संख्या	पाठ्यक्रम का नाम	विभागीय	विभागातिरिक्त	विदेशी	अन्य	कुल
1.	शैक्षणिक	एम॰ टेक (ज्योमैटिक्स)–2012–14#	–	–	–	16	16
2.	शैक्षणिक	एम॰ टेक (ज्योमैटिक्स)–2013–15	–	–	–	16	16
3.	शैक्षणिक	एम॰एस॰सी॰ (भू–स्थानिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी)–2012–14#	07	–	–	01	08
4.	शैक्षणिक	एम॰एस॰सी॰ (भू–स्थानिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी)–2013–15	07	–	–	01	08
		योग –	**14**	–	**–**	**34**	**48**
# पूर्व के वर्ष से जारी पाठ्यक्रम							

21. अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग का प्रतिनिधित्व

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/रिपोर्ट–।

01.01.2015 को अनु. जाति, अनु. जनजाति, और अन्य पिछड़े वर्गों का प्रतिनिधित्व दर्शाने वाला वार्षिक विवरण और पूर्ववर्ती कैलेंडर वर्ष 2014 के दौरान की गई नियुक्तियों की संख्या

मंत्रालय/विभाग/संबद्ध/अधीनस्थ कार्यालय–भारतीय सर्वेक्षण विभाग

ग्रुप	अनु. जाति, अनु. जनजाति, और अन्य पिछड़ा वर्ग का प्रतिनिधित्व (01.01.2015 की स्थिति)				कैलेंडर वर्ष 2014 के दौरान की गई नियुक्तियों की संख्या									
					सीधी भर्ती द्वारा				पदोन्नति द्वारा			प्रतिनियुक्ति/आमेलन द्वारा		
	कार्मिकों की कुल संख्या	अनु. सूचित जाति	अनु. जन जाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	कुल	अनु. सूचित जाति	अनु. जन जाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	कुल	अनु. सूचित जाति	अनु. जन जाति	कुल	अनु. सूचित जाति	अनु. जन जाति
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
ग्रुप ए	138	12	07	04	0	–	–	–	–	–	–	–	–	–
ग्रुप बी	471	72	51	21	–	–	–	–	45	14	10	–	–	–
ग्रुप सी (सफाईवालों के अतिरिक्त	4990	967	241	151	–	04	–	–	42	3	2	–	–	–
ग्रुप डी (सफाईवाला)	83	83	0	0	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
योग	5682	1134	299	176	0	4	0	0	87	17	12	–	–	–

अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति/ अन्य पिछड़ा वर्ग रिपोर्ट–।।

01 जनवरी, 2015 को विभिन्न ग्रुप 'ए' सेवा में अनु. सूचित जाति, अनु. जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के प्रतिनिधित्व को दर्शाने वाली वार्षिक विवरणी और पूर्ववर्ती कैलेंडर वर्ष 2014 में विभिन्न ग्रेड में सेवा के दौरान की गई नियुक्तियों की संख्या

मंत्रालय/विभाग/संबद्ध/अधीनस्थ कार्यालयः– भारतीय सर्वेक्षण विभाग सेवा :–

वेतन बैंड और ग्रेड वेतन	अनु. सूचित जाति, अनु. जनजाति, और अन्य पिछड़ा वर्ग का प्रतिनिधित्व (01.01. 2014 की स्थिति)				कैलेंडर वर्ष 2013 के दौरान की गई नियुक्तियों की संख्या									
					सीधी भर्ती द्वारा				पदोन्नति द्वारा			प्रतिनियुक्ति/आमेलन द्वारा		
	कार्मिकों की कुल संख्या	अनु. सूचित जाति	अनु. जन जाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	कुल	अनु. सूचित जाति	अनु. जन जाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	कुल	अनु. सूचित जाति	अनु. जन जाति	कुल	अनु.. सूचित जाति	अनु. जन जाति
1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**	**8**	**9**	**10**	**11**	**12**	**13**	**14**	**15**
पी॰बी॰–3 ₹ 5400	31	2	1	1	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
पी॰बी॰–3 ₹ 6600	37	1	1	2	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
पी॰बी॰–3 ₹ 7600	24	3	1	1	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
पी॰बी॰–4 ₹ 8700	18	3	4	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
पी॰बी॰–4 ₹ 8900	0	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
पी॰बी॰–4 ₹ 10000	27	3	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
एच॰ए॰ जी॰ और ऊपर	1	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
कुल	**138**	**12**	**7**	**4**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**

22. अनु॰ जाति/ अनु॰ जनजाति/ अन्य पिछड़ा वर्ग एवं विकलांग व्यक्ति पी डब्ल्यू डी रिपोर्ट–।

सेवारत विकलांग व्यक्तियों के प्रतिनिधित्व को दर्शाता वार्षिक विवरण (01.01.2015 की स्थिति)

मंत्रालय/विभागः– विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय

संबद्ध/अधीनस्थ कार्यालयः– भारतीय सर्वेक्षण विभाग

ग्रुप	कार्मिकों की संख्या				
	कुल	चिह्नित पद	वी.एच	एच. एच	ओ. एच.
1	2	3	4	5	6
ग्रुप ए	138	–	–	–	–
ग्रुप बी	471	2	–	–	2
ग्रुप सी/ ग्रुप डी	4734	30	–	–	30
ग्रुप डी (सफाईकर्मचारी)	83	–	–	–	–
कुल	5426	32	0	0	32

टिप्पणी (I) वी. एच. से अभिप्राय दृष्टि बाधितार्थ (जो व्यक्ति अंधता एवं सुक्ष्मदृष्टि से पीड़ित हो)

(II) एच. एच. से अभिप्राय श्रवण बाधितार्थ (वह व्यक्ति जिसे सुनाई नहीं देता हो)

(III) ओ. एच. से अभिप्राय शारीरिक विकलांग (वह व्यक्ति जो शारीरिक और दिमागी रूप से अशक्त हो)

पी डब्ल्यू डी रिपोर्ट–।।

01.01.2015 को सेवारत्त विकलांग व्यक्तियों की संख्या को दर्शाने वाले विवरण

मंत्रालय/विभागः– विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी मंत्रालय

संबद्ध/अधीनस्थ कार्यालयः– भारतीय सर्वेक्षण विभाग

ग्रुप	सीधी भर्ती द्वारा							पदोन्नति						
	आरक्षित रिक्तयों की संख्या			नियुक्तियों की संख्या				आरक्षित रिक्तयों की संख्या			नियुक्तियों की संख्या			
	वीएच	एचएच	ओएच	कुल	वीएच	एचएच	ओएच	वीएच	एचएच	ओएच	कुल	वीएच	एचएच	ओएच
1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**	**8**	**9**	**10**	**11**	**12**	**13**	**14**	**15**
ग्रुप ए	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
ग्रुप बी	–	–	2	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
ग्रुप सी	–	–	30	–	–	–	–	–	–	4	2	2	–	2
ग्रुप डी	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
कुल	–	–	32	–	–	–	–	–	–	4	2	2	–	2

टिप्पणी (i) वी. एच. से अभिप्राय दृष्टि बाधितार्थ (जो व्यक्ति अंधता एवं सुक्ष्मदृष्टि से पीड़ित हो)

(ii) एच. एच. से अभिप्राय श्रवण बाधितार्थ (वह व्यक्ति जिसे सुनाई नहीं देता हो)

(iii) ओ. एच. से अभिप्राय शारीरिक विकलांग (वह व्यक्ति जो शारीरिक और दिमागी रूप से अशक्त हो)

VISION

Survey of India takes a leadership role in providing customer focused, cost effective and timely geo-spatial data, information and intelligence for meeting the needs or security, sustainable national development and new information markets.

MISSION

Survey of India dedicated itself to the advancement of theory, practice, collection and applications of geo-spatial data, and promotes an active exchange of information, ideas, and technological innovations amongst the data producers and users who will get access to such data of highest possible resolution at an affordable cost in the near real-time environment.